#HamarTiranga हमर तिरंगा

दैनिक नवप्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

हर घर तिरंगा 75 Azadi Ka Amrit Mahotsav

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ 2 | अभिव्यक्ति 4 | छत्तीसगढ़ 6 | आंचलिक 7 | छत्तीसगढ़

RNI NO.CHHHIN/2012/41806 रायपुर, शनिवार 13 अगस्त 2022, कृष्ण पक्ष प्रतिपदा, विक्रम संवत-2078 वर्ष-11 अंक-168 पृष्ठ-08 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित www.navpradesh.com

//-- सुविचार --//

यदि हमें अपने जीवन में हमेशा सफलता मिलती रहेगी तो कभी हमें जीवन का असल अर्थ पता ही नहीं लगेगा।

आज बेबाक

रेवड़ी कल्चर पर नई दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ठीक ही कहा है कि कर्ज माफी से भी देश की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंच रहा है। यह ठीक है कि मुफ्तखोरी को बढ़ावा देने वाली सारी योजनाएं बंद की जानी चाहिए लेकिन कर्जमाफी पर भी पाबंदी लगनी चाहिए। चाहे वे उद्योगपति हो या बड़े किसान किसी का भी कर्ज माफ नहीं होना चाहिए। उन्हे इस लायक बनाया जाए कि उन्हे कर्ज लेने की जरूरत ही न पड़े और यदि कर्ज लेना ही पड़े तो वे इतने सक्षम हों कि कर्ज की अदायगी कर सकें।

वर्ल्ड इकोनामिक फोरम ने की छत्तीसगढ़ की तारीफ

■ वन संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों को मिली सराहना

रायपुर/नवप्रदेश। वर्ल्ड इकोनामिक फोरम द्वारा विश्व स्तर पर वन ट्रिलियन ट्री योजना पर काम किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत वर्ल्ड इकोनामिक फोरम पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में काम कर रहा है। छत्तीसगढ़ में पर्यावरण संरक्षण को और कैसे बेहतर बनाया जा रहा है इस संबंध में वन ट्रिलियन ट्री कार्यक्रम की प्रमुख निकोल सेवाड के साथ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल वीसी के माध्यम से परिचर्चा में शामिल हुए। इस परिचर्चा में भारत में वन ट्रिलियन ट्री कार्यक्रम की संचालक रित्विका भट्टाचार्य और भैरवी जानी ने कार्यक्रम के बारे में मुख्यमंत्री को जानकारी दी। परिचर्चा में वर्ल्ड इकोनामिक फोरम की तरफ से वन ट्रिलियन ट्री की प्रमुख सुश्री निकोल सेवाड ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण, ट्री कवर और फॉरेस्ट कवर को बढ़ाने के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की तारीफ की। निकोल सेवाड ने कहा कि छत्तीसगढ़ के जंगल को अर्थव्यवस्था से जोड़ना एक महत्वपूर्ण कदम है जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ ही आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जा सकता है।

भूजल स्त्रोत को रीचार्ज करने का काम किया जा रहा : सीएम

परिचर्चा में मुख्यमंत्री ने वर्ल्ड इकोनामिक फोरम के सामने अपनी बात रखते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में साइंटिफिक तरीके से वनों के संरक्षण और भूजल स्त्रोत को रीचार्ज करने का काम किया जा रहा है जिससे छत्तीसगढ़ के नाले 10 से लेकर 30 सेंटीमीटर तक रीचार्ज हुए हैं। मुख्यमंत्री ने वर्ल्ड इकोनामिक फोरम के सामने अपनी बात रखते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में लघु वनोपजों के क्षेत्र में बेहतर काम किया जा रहा है, यदि इनके लिए लघु उद्योगों की स्थापना की जाए तो ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बहुत फायदा होगा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी लोग जागरूक होंगे।

छग में 42 फीसदी क्षेत्र जंगलों से घिरा हुआ : मुख्यमंत्री ने कहा कि जंगलों को वन वासियों ने ही बचाया है और वे वनों के रक्षक हैं। छत्तीसगढ़ में 42 फीसदी क्षेत्र जंगलों से घिरा हुआ है और राज्य में 31 फीसदी आबादी आदिवासियों की है जो प्रमुख रूप से वनों पर निर्भर हैं। इन्हें और समृद्ध बनाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ■ शेष पृष्ठ 6 पर

मुख्यमंत्री ने 'हमर तिरंगा अभियान' पर आधारित फिल्म का किया लोकार्पण

■ घर-घर राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अपील, प्रदेश में हम तिरंगा अभियान की शुरूआत

रायपुर/नवप्रदेश। सीएम भूपेश बघेल ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर 'हमर तिरंगा अभियान' पर आधारित फिल्म का लोकार्पण किया। जनसम्पर्क विभाग द्वारा इस अभियान पर हिन्दी और छत्तीसगढ़ी भाषा में दो अलग-अलग फिल्म तैयार कराई गई हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि 11 अगस्त से 17 अगस्त के मध्य मनाए जा रहे स्वतंत्रता सप्ताह के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में हमर तिरंगा अभियान की शुरूआत की गई है। इस अभियान के दौरान राज्य के गांव-गांव, शहर-शहर, घरों, शासकीय कार्यालयों, संस्थानों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा हमर तिरंगा अभियान के माध्यम से हम छत्तीसगढ़ के लोग उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर रहे हैं, जिनके बलिदानों और संघर्षों से हमारा देश आजाद हुआ और हमें स्वतंत्रता मिली। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम छत्तीसगढ़ के लोग इस अभियान के माध्यम से राष्ट्रीय एकजुटता पर भी अपने गर्व को व्यक्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने ■ शेष पृष्ठ 6 पर

सूर्योदय	
उदय	5:53 प्रातः
अस्त	7:58 संध्या

जनसंख्या	
विश्व	7,966,986,135
भारत	1,409,217,628

बाजार	
सेंसेक्स	59462.78
निफ्टी	17698.20
गोल्ड	52,240 प्रति 10 ग्राम
चांदी	58,500 प्रति किग्रा
अण्डा दर	3.88 प्रति नग

प्रदेश का मौसम

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रायपुर	31.2	24.3
बिलासपुर	29. 6	24.0
जगदलपुर	29. 4	23.3
अंबिकापुर	25. 9	22.६

आज का दिवस

अंतर्राष्ट्रीय वामपंथी दिवस : अंतर्राष्ट्रीय वामपंथी दिवस हर साल 13 अगस्त को बाएं हाथ के लोगों की विशिष्टता और मतभेदों का जश्न मनाने और मुख्य रूप से दाएं हाथ की दुनिया में बाएं हाथ के होने के फायदे और नुकसान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के 2019 के एक अध्ययन के अनुसार, बाएं हाथ के लोगों के दाएं हाथ के समकक्षों की तुलना में बेहतर मौखिक कौशल होने की संभावना है। यह दिन पहली बार 1976 में लेफ्टहैंडर्स इंटरनेशनल इंक के संस्थापक डीन आर कैंपबेल द्वारा मनाया गया था। इसके अलावा, 1990 में, लेफ्टहैंडर्स इंटरनेशनल क्लब की स्थापना बाएं-हाथ को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।

तबादला नीति जारी
16 अगस्त से होंगे ट्रांसफर

■ नए नियम जिला, राज्य और स्कूल शिक्षा विभाग के कर्मचारियों पर होगा लागू

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार ने तबादला नीति जारी कर दी है। शुक्रवार शाम सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव डीडी सिंह ने तबादला नीति को लेकर जारी नए नियमों का आदेश प्रदेश के सभी विभाग, विभागाध्यक्ष, संभाग कमिश्नर व कलेक्टरों को भेज दी गई। जारी नए नियमों के मुताबिक, जिला स्तर के अधिकारी-कर्मचारी, राज्य स्तर के अधिकारी, कर्मचारी और स्कूल विभाग के कर्मियों के लिए लागू गए हैं। ट्रांसफर का सिलसिला 16 अगस्त से शुरू होगा जो जिला स्तर पर 10 सितंबर तक, प्रदेश स्तर पर 30 सितंबर तक सभी ट्रांसफर पूरे कर लिए जाएंगे। इसके बाद ट्रांसफर पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेंगे।

2019 में आई थी आखिरी तबादला नीति

छत्तीसगढ़ की आखिरी तबादला नीति 2019 में आई थी। इसमें तृतीय तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के स्थानांतरण जिले के प्रभारी मंत्री के अनुमोदन से कलेक्टर द्वारा करने का प्रावधान था। स्थानांतरण के लिए आवेदन 15 जून से 25 जुलाई तक संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों के कार्यालयों को दिए जाने थे। तय हुआ था कि तृतीय श्रेणी कर्मचारियों के मामले में उनके संवर्ग में कार्यरत कर्मचारियों की कुल संख्या के अधिकतम 10 प्रतिशत और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के मामलों में अधिकतम पांच प्रतिशत तक स्थानांतरण किए जा सकेंगे।

जिला स्तर पर प्रभारी मंत्री के अनुमोदन से ट्रांसफर : जिलों के भीतर स्थानांतरण प्रभारी मंत्री और विभागीय स्थानांतरण आदेश विभागीय मंत्री के अनुमोदन से ही जारी किए जाएंगे। अनुसूचित क्षेत्रों से स्थानांतरित अफसर और कर्मी तभी भारमुक्त किए जाएंगे, जब उनके स्थान पर भेजे गए अफसर या कर्मचारी पदभार ग्रहण कर लें। तृतीय व चतुर्थ श्रेणी ■ शेष पृष्ठ 6 पर

छत्तीसगढ़ के तीन पुलिसकर्मियों को मिलेगा मेडल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के तीन पुलिस अफसरों को केंद्र सरकार मेडल देगी। शुक्रवार को इसे लेकर एक सूची जारी की गई। इसमें प्रदेश के अफसरों का नाम शामिल है। एडिशनल एसपी राजेंद्र जायसवाल, इंस्पेक्टर दिनेश यादव और सब इस्पेक्टर दिव्या शर्मा को इस मेडल के लिए चुना गया है। ये मेडल अफसरों को बेहतर इंवस्टिगेशन के लिए दिया जाता है। राजेंद्र ■ शेष पृष्ठ 6 पर

बैलेट से चुनाव कराने की याचिका खारिज

ईवीएम से ही होगा चुनाव, याचिका पर विचार करने से किया इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की जगह बैलेट पेपर से मतदान कराने की मांग खारिज कर दी है। स्ष्ट ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के उस प्रावधान की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका शुक्रवार को रद्द कर दी, जिसके तहत देश में मतदान के लिए मतपत्र की जगह इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग ■ शेष पृष्ठ 6 पर

पीठ ने कहा- हमें कोई गुण-दोष नहीं मिला

पीठ ने कहा कि हमें इसमें कोई गुण-दोष नहीं मिला... इसलिए इसे खारिज किया जाता है। याचिका में केंद्रीय कानून मंत्रालय को एक पक्ष बनाया गया था। इसमें ईवीएम के इस्तेमाल से संबंधित प्रावधान को 'अमान्य, अवैध और असंवैधानिक' घोषित करने की मांग की गई गई थी।

एटीएस ने दो आतंकियों को किया गिरफ्तार
नूपुर शर्मा की हत्या का था प्लान

लखनऊ (ए.)। स्वतंत्रता दिवस से पहले यूपी एटीएस को बड़ी सफलता मिली है। एटीएस ने सहारनपुर से दो आतंकियों को गिरफ्तार किया है। एटीएस को सूचना मिली थी कि पकड़े गए आतंकी स्वतंत्रता दिवस पर बड़ी हमले की योजना बना रहे हैं। गिरफ्तार आतंकियों में से एक का नाम मोहम्मद नदीम है जो पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और तहरीख-ए-तालिबान से सीधे संपर्क में था। उसे नूपुर शर्मा को मारने का काम दिया गया था, लेकिन टास्क पूरा होने से पहले आतंकी धर दबोचे गए। सहारनपुर जिले के गंगोह थाना क्षेत्र स्थित कुंडा कला गांव के रहने वाले नदीम के कब्जे ■ शेष पृष्ठ 6 पर

15 अगस्त पर कड़ी सुरक्षा की दरकार

नई दिल्ली। 75वें स्वतंत्रता दिवस पर भारत सुरक्षा में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। खबर है कि भारत सरकार ने पहली बार कनाडा में भी स्वतंत्रता दिवस पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजार करने के लिए कहा है। कनाडा में इंडो-कनाडाई समुदाय की तरफ से 15 अगस्त पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इधर, भारत में भी सुरक्षा के मद्देनजर ■ शेष पृष्ठ 6 पर

केंद्र की कोविड को लेकर राज्यों को चेतावनी, 15 अगस्त पर बड़ी सभाएं करने से बचें

देश में बीते 24 घंटे में कोविड-19 के 16,561 नए मामले, देश में एक बार फिर तेजी से फैल रहा कोरोना

■ संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,42,23,557 हो गई

नई दिल्ली। देश में रोजाना कोविड-19 के औसतन 15,000 से अधिक मामले सामने आने के बीच केंद्र ने राज्यों से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए कोई बड़ी सभा नहीं हो और सभी लोग कोविड-19 के दिशा-निर्देशों का पालन करें. केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के प्रत्येक जिले के प्रमुख स्थानों पर स्वच्छ भारत अभियान चलाने और स्वैच्छिक नागरिक भागीदारी के माध्यम से इन्हें स्वच्छ बनाए रखने के लिए एक पखवाड़े और महीने भर तक जारी रखने को कहा है. मंत्रालय ने कहा कि एहतियात के तौर पर कोविड -19 के खिलाफ, समारोह में बड़ी सभाओं से बचा जाना चाहिए. यह जरूरी है कि कोविड-19 के दिशानिर्देशों का पालन किया जाए. देश में बीते 24 घंटे में कोविड-19 के 16,561 नए मामले आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,42,23,557 हो गई है, जबकि उपचाराधीन मरीज 1,23,535 हैं. मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से 49 लोगों की मृत्यु होने से मृतक संख्या बढ़कर 5,26,928 हो गई है. मौत के इन 49 मामलों में वो 10 लोग भी शामिल हैं, जिनके नाम आंकड़ों का पुनःमिलान करते हुए केरल ने संक्रमण से हुई मौत की सूची में डाले हैं।

पांच करोड़ मामलों की ओर बढ़ता देश

देश में अब तक कोरोना संक्रमितों की संख्या 4 करोड़ के पार जा चुकी है. 19 दिसंबर 2020 को देश में पहली बार एक करोड़ का आंकड़ा पार किया था. इसके बाद 4 मई 2021 को कोरोना संक्रमितों की संख्या 2 करोड़ और 23 जून को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी. इस साल 25 जनवरी को संक्रमण के मामलों ने चार करोड़ का आंकड़ा छुआ था.

संपादकीय

नीतीश कुमार की राह आसान नहीं

आठ पार्टियों के महागठबंधन की नई नवेली की सरकार ने नीतीश कुमार ने आंठवी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ तो ले ली है लेकिन अब उनके लिए आगे की राह आसान नहीं है। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू यादव के हाथों में ही इस सरकार का रिमाट कंट्रोल रहेगा इसकी संभावना प्रबल नजर आ रही है। यद्यपि अभी लालू यादव अस्वस्थ चल रहे है लेकिन इस सरकार में किसकी क्या भूमिका होगा यह लालू यादव ही तय करेंगे। बिहार के नए उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव अपने पिता लालू से मिलने दिल्ली गए हुए है जहां उनसे वे सरकार के गठन को लेकर चर्चा करेंगे। इस दौरान उन्होने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से भी मुलाकात की है। इस सरकार में कांग्रेस को कितनी हिस्सेदारी देना है इसपर भी विचार विमर्श हो रहा है। कुल मिलाकर सरकार का स्वरूप लालू यादव की तय करेंगे। नीतीश कुमार भले ही मुख्यमंत्री बन गए हों और मंत्रिमण्डल का गठन उनका अधिकार हो लेकिन राष्ट्रीय जनता दल ही मंत्री मण्डल को अंतिम रूप देगा और उसे स्वीकारना नीतीश कुमार की मजबूरी होगी। ऐसी स्थिति में मंत्रीमण्डल के गठन और मंत्रियों के विभागों के वितरण को लेकर भी विवाद की स्थिति निर्मित हो सकती है। नीतीश कुमार अब तक अपनी शर्तो पर राजनीति करते आए है लेकिन इस बार उनके लिए हालात जुदा है। अब वे नाराज होकर महागठबंधन से बाहर नहीं जा सकते क्योंकि भाजपा ने उनके लिए दरवाजे हमेशा के लिए बंद कर दिए है। जाहिर है उन्हे अब अपनी सरकार चलाने और मुख्यमंत्री की कुर्सी पर काबिज रहने के लिए कदम कदम पर समझौता करना होगा और राष्ट्रीय जनता दल की हर बात को शिरोधार्य करना होगा। ऐसा करने में वे कितने सफल होंगे और कब तक मन मार कर मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे यह कह पाना मुहाल है। वैसे भी अब उनके लिए प्रधानमंत्री पद दिवास्वप्न बन चुका है। जिस तरह वे बार-बार पल्टी मारते रहे है उसे देखते हुए विपक्ष उन्हे आगामी लोकसभा चुनाव में विपक्षी की ओर से प्रधानमंत्री पद का चेहरा बनाने के लिए शायद ही एकमत हो। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव ने तो साफ कह दिया है कि विपक्ष की ओर से नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री का चेहरा शायद ही बनाया जाएगा। ऐसी स्थिति में अब नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री के पद पर ही बने रहना और राजद के इशारों पर नाचना पड़ेगा।

व्यंग्य

लेकिन महंगाई है कहां!

राजेन्द्र शर्मा

देवोपरि मोदी जी को एक भक्त का चरणवंदन पहुंचे। प्रभु, आप तो सर्वज्ञाता हैं। आपह्यह्यको कोई क्या बता सकता है, जो आप को पहले से पता नहीं है। फिर भी आप अगर भगवान की अपनी भूमिका बखूबी निभाह रहे हैं, तो इस भक्त का भी बार-बार भक्ति दिखाना कर्तव्य बनता है। सो आप पूरी करें न करें, एक प्रार्थना प्रभु की सेवा में प्रस्तुत है। प्रभु, भारत भूमि पर इस समय महंगाई, महंगाई का कुछ ज्यादा ही शोर मच रहा है। विधर्मियों और अभक्तों को तो छोड़ ही दें, आप के पक्के-पक्के भक्त तक, महंगाई की शिकायत करते मिल जाते हैं। कोई डीजल-तेल के महंगा होने की शिकायत करता है, तो कोई आटे-दाल का भाव बताने लगता है। कोई खाने के तेल का रोना रोता है, तो कोई सब्जी-तरकारी की महंगाई का। बाल-बच्चे वाले बच्चों की कॉपी-किताब के दाम की शिकायत करते मिलते हैं, तो बुजुर्ग दवा-दारू के महंगे होने की। और जब से आप का आशीर्वाद लेकर निम्मो ताई ने जीएसटी में बढ़ोतरी का नया एक्सपेरीमेंट किया है, तब से तो कच्चे तो कच्चे, अधपके भक्त तक, बेकाबू हुए जा रहे हैं। कह रहे हैं कि चावल और आटे पर भी टैक्स, दही और लस्सी पर भी टैक्स; खाने-पीने की चीजों पर तो कभी अंगरेजी हुकूमत ने भी टैक्स नहीं लगाया था। बच्चों के पेंसिल-रबड़ पर भी टैक्स। और तो और अस्पताल से लेकर श्मशान तक की सेवाओं पर भी टैक्स। यह अमृतकाल है या पब्लिक का काल। सुना है कि एक भक्त कवि ने तो आधा चोरी का और आधा मौलिक, एक कवित्त ही बना दिया है--मोदी राज सुख साज सजे अति भारी। पै महंगाई बढ़त दिन रात, यही अति ख्वारी॥ वैसे निम्मो ताई भी आपकी पहुंची हुई भक्त हैं। उन्होंने भी दो-टूक कह दी कि संवेदनशीलता के अब तक के सारे रिकार्ड तोडऩे वाली आपकी सरकार ने, अस्पताल के कमरों-वमरों पर भले जीएसटी लगा दी हो, पर मुर्दों पर टैक्स बढ़ाने से साफइंकार कर दिया है। न श्मशान में और न कब्रिस्तान में, मुर्दों से कोई फालतू टैक्स नहीं वसूला जाएगा। संस्कारी सरकार, मुर्दों के सम्मान में कोताही कभी कर ही नहीं सकती है। हां! श्मशान में कोई मुर्दों के लिए या मुर्दे लाने वालों के लिए, प्लेटफार्म या बैंच वगैरह बनवाएगा, तो जरूर जीएसटी के दायरे में आएगा। मुर्दों से इस खर्चे की वसूली भले ही कोई कर ले, पर अपनी तरफसे सरकार किसी मुर्दे को जीएसटी मांगकर परेशान नहीं करेगी। ताई ने यह भी बता दिया कि न रुपया बैठ रहा है और न इकॉनमी। बस सब अपना रास्ता बना रहे हैं। सत्तर साल दूसरों के दिखाई रास्ते पर चले; अब आत्मनिर्भर बनकर दिखा रहे हैं। फिर क्या था, आपकी सरकार के एक पूर्व छोटे वित्त मंत्री ने तो सीधे पब्लिक को चलेंज ही कर दिया : किसी को दिखाई दे, तो महंगाई खोज कर लाए और उन्हें भी दिखाए। उन्हें तो महंगाई दिखाई ही नहीं देती। महंगाई है ही नहीं, तो दीखेगी कैसे? पर कलयुगी प्रजा की दुष्टता देखिए। लोग कहने लगे कि अडानी-अंबानी के प्रेम के अंधों को, महंगाई दीखेगी भी कैसे! वैसे भी आंखें तो प्रभु के चरणों के फिक्स डिपॉजिट में जमा करा रखी हैं। सो पब्लिक में बड़ी ख्वारी हो रही है, प्रभु। चीजों के नाम समेत, इतना कुछ बदल रहे हैं प्रभु आप, क्यों नहीं महंगाई का नाम बदलकर सस्ताई कर दें। फिर देखते हैं, आप के राज में पब्लिक कैसे महंगाई की शिकायत करती है! और कुछ हो न हो, जयंत सिन्हा जी जरूर सच साबित हो जाएंगे- पर महंगाई कहां है!

'सुशासन बाबू' होने के कारण 'पलटूराम' बनाये गये?

राजीव खंडेलवाल

> पूर्व में कांग्रेस ने कितनी बार चुनी हुई सरकारों को भंग कर (56 बार) या दल बदल कर गिरा कर जनादेश का अनादर किया है। अब 'बोया पेड़ बबूल का तो आम कहां से होंय'। आज देश में भाजपा को सत्ता का मौका मिला है, तब उसने भी कांग्रेस की पूर्व परिपाटी को आगे बढ़ाते हुए महाराष्ट्र सहित आठ राज्यों में शासन करने का स्पष्ट जनादेश न मिलने के बावजूद तोड़फोड़ कर जुगाड़ कर, दलों को तोड़कर अपनी प्रभुसत्ता की सत्ता स्थापित की। इस प्रकार आभासी जनादेश के परसेप्शन का वातावरण बनाया गया। देश में दिन प्रतिदिन घट रही इस तरह की राजनीतिक घटनाओं से देश का बौद्धिक वर्ग अपने आपको ठगा हुआ सा महसूस कर रहा है और वह इस कारण विकल्पहीन राजनीति के भंवर में फंसते जा रहा है। कहीं ऐसा न हो कि भविष्य में वोट नहीं नोटा महत्वपूर्ण होकर शासन करें? पलटूराम के कारण हुए इस सत्ता परिवर्तन का तुरंत सबसे बड़ा प्रभाव यह पड़ा कि विक्षिप्त व सुप्त विपक्ष जागृत हो गया, जैसे संजीवनी ही मिल गई हो।

नीतीश कुमार ने विभिन्न अंतरालों में कुल 22 साल के मुख्यमंत्री के कार्यकाल में 8वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर स्वतंत्र भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। (यद्यपि सबसे ज्यादा समय 24 सालों के लिए मुख्यमंत्री पद पर पवन कुमार चामलिंग रहे, लेकिन शपथ सिर्फ पांच बार ही ली)। वैसे भारतीय राजनीति के इतिहास का नीतीश कुमार का एक और अनोखा रिकॉर्ड यह भी है कि वे देश के एकमात्र ऐसे मुख्यमंत्री रहे हैं, जहां उनकी पार्टी कभी भी बहुमत में नहीं रही। अर्थात गठबंधन में अल्पमत में भी रहकर वे मुख्यमंत्री बनने में हमेशा सफल (8 बार) रहे हैं। इस प्रकार विश्व के सात अजूबों के समान भारतीय राजनीति के आठवें अजूबे से कम नीतीश कुमार नहीं हैं।

22 सालों के मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल में नीतीश बाबू हमेशा ''सुशासन बाबू'' ही कहलाये। फिर चाहे वे कहीं भी रहे हों और कितने ही घाटों का पानी पिया हो। जिस प्रकार 'कमल' कीचड़ से निकलकर भी विश्व में आज वह सबसे ज्यादा 'चहेता' है, ठीक उसी प्रकार नीतीश कुमार हर (राजनीतिक) गंदे तालाब में रहकर भी अपनी बेदाग सुशासन बाबू की छवि को बनाये रखने में आश्चर्यजनक रूप से सफल रहे हैं। सुशासन बाबू की ऐसी छवि आज की राजनीति में प्रायः देखने को नहीं मिलती है। शायद इसी कारण से प्रत्येक दल/गठबंधन का प्रयास उन्हे अपने पाले में ले जाने का होता है, जिस कारण से ही नीतीश कुमार 'पलटूराम' बनें।

नीतीश कुमार के आठवीं बार और महागठबंधन के तीसरी बार पुनः मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही अधिकांश मीडिया सहित भाजपा-एनडीए ने लालू प्रसाद यादव द्वारा नीतीश कुमार को प्रदत उक्त पदवी 'पलटूराम' की पहचान को एक राजनैतिक हथियार बनाकर नीतीश कुमार को खुब पानी पी पीकर बुरी तरह से कोसा। आज विपक्ष को छोड़कर, अधिकांश मीडिया से लेकर भाजपा-एनडीए नीतीश कुमार को 'पलटूराम' कहकर आलोचनात्मक मजा के साथ गुस्से का इजहार कर रही है, यानी ''चित भी मेरी पट भी मेरी''। परंतु मीडिया सहित भाजपा यह भूल रही है कि जब नीतीश कुमार ने पहली बार महागठबंधन छोड़कर पलटूराम बनकर एनडीए का नेतृत्व किया था, तब इन्ही मीडिया व भाजपा ने गले

लगाकर नीतीश कुमार का स्वागत किया था। तब भाजपा व मीडिया को जनादेश के अपमान के साथ विश्वासघात की बात ध्यान व दिमाग में नहीं आई? मात्र सुविधा की राजनीति के मद्देनजर भाजपा और मीडिया का ''ये रिश्ता क्या कहलाता है''?

आखिर ''पलटूराम'' बनने के लिए कौन से दो मूल तत्वों-तथ्यों की आवश्यकता होती है, इसको जरा समझिए! राजनीति में पलटूराम का मतलब होता है, एक पक्ष का साथ देकर/लेकर, फिर स्वार्थ वश या अन्य किसी भी कारण से उसका साथ छोड़कर विपक्ष (विरोधी पक्ष) के साथ जाकर मिल जाना। मतलब साफ है, पलटूराम होने के लिए दो पक्षों का होना न केवल नितांत आवश्यक है, बल्कि दोनों की सहमति के साथ भागीदारी भी आवश्यक है। एक पक्ष वह है, जहां वह था, जिसे अब वह छोड़ रहा है और दूसरा पक्ष वह है, जहां वह नहीं था, परन्तु अब वह जुड़कर उसे गले लगा रहा है। जिस प्रकार प्रकार रिश्वत के लिए दो पक्षों की आवश्यकता होती है और दोनों पक्षों की भागीदारी होकर वे बराबर के जिम्मेदार (अपराधी) माने जाते हैं। इस प्रकार स्पष्ट है, पलटूराम बनने/बनाने में भी दोनों पक्ष बराबर के जिम्मेदार होते हैं। अर्थात एनडीए व महागठबंधन नीतीश कुमार को 'पलटूराम' बनाने में सफल होने के लिए अपनी-अपनी जिम्मेदारियों से भाग नहीं सकते हैं और न ही अपने योगदान को नकार सकते हैं, तब पलटूराम की बनाई गई नकारात्मक छवि से व स्वयं दूर कैसे भाग सकते है?

इसलिए जिस प्रकार एक सिक्के के दो पहलू होते है, या कहावत है, 'कांच के घर में रहकर दूसरों के घर में पत्थर नहीं फेंका जाता है', कम से कम वर्तमान राजनीति में आरोप और प्रत्यारोप लगाने के पूर्व दलों को अपने अपने गिरेबान में अवश्य झाँक लेना चाहिए। यदि राजनीतिक दल व राजनेता ऐसा करने में सफल हो जाये तो निम्न स्तर की राजनीतिक कटुता जो उच्च से उच्चतर की ओर बढ़ती जा रही है, निश्चित रूप से वह कटुता तेजी से गिर जायेगी। बजाय 'मन मन भावे मुंड हिलाने के', ''पलटूराम'' को समस्त पक्ष खासकर मीडिया को इसी दृष्टि से देखना चाहिए।

मीडिया व भाजपा बार-बार वर्ष जुलाई 2017 में नीतीश कुमार की अंतरात्मा की आवाज पर महागठबन को छोड़ते समय (जिसे वह अब 'भूल' कह चुके है) के बयान व उसके प्रत्युत्तर में लालू यादव द्वारा दी गई पलटूराम की संज्ञा को दिखा रही है। परंतु मीडिया वर्ष 2015 में एनडीए छोड़ते समय नीतीश कुमार के बयान और प्रति उत्तर में भाजपा की प्रतिक्रियाओं को उस तरीके से नहीं दिखा रहा है। राजनेतागण तो सुविधा की राजनीति के सिद्धहस्त हैं, जो आज की राजनीति की कटु हकीकत है। उनके लिये तो ''घी का लड्डू टेढ़ा ही भला''। परंतु देश के लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहलाने वाला मीडिया भी सुविधा व सहूलियत का क्यों शिकार हो रहा है? इसलिए जब कुछ मीडिया कुछ अन्य मीडिया को 'गोदी मीडिया' कहते है, तो चुप रह जाना पड़ता है।

दूसरी महत्वपूर्ण बात ''पलटूराम'' द्वारा जनादेश के अपमान के साथ विश्वासघात की जोर-शोर से की जा रही है। नीतीश कुमार का यह कदम 2020 के जनादेश का अपमान है तथा जनता और भाजपा के साथ विश्वासघात है, यदि उच्च स्तर की राजनीतिक नैतिकता और शुचिता का मापदंड लागू किया जाए तो। क्योंकि प्राप्त जनादेश के विपरीत जनता द्वारा नकारे गए दलों के साथ सरकार बनाई गई हैं। परन्तु तब क्या यही आरोप, सिद्धांत व परसेप्शन तब क्यों नहीं लागू किया गया? जब वर्ष 2015 के विधानसभा चुनाव में महागठबन के साथ भारी बहुमत प्राप्त कर मुख्यमंत्री बने नीतीश कुमार के द्वारा वर्ष 2017 में उन्हें छोड़कर एनडीए के साथ सरकार बनाई गई। 'अपना ढेंढर देखे नहीं, दूसरे की फुल्ली निहारे'। तब क्या जनादेश का अपमान व महागठबंधन के साथ विश्वासघात नहीं हुआ था? तब तो मीडिया ने उन्हें ऐसा दुलराया था, जैसे 'सुबह का भूला शाम को घर वापस आ गया हो'। भाजपा से यह प्रश्न पूछने पर वे दाये-बाये होकर नीतीश कुमार के उस बयान को सामने ला देते है, जब नीतीश कुमार उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव द्वारा माल निर्माण में की गई गड़बड़ी के कारण पड़ा सीबीआई छापे से उजागर हुए तथाकथित भ्रष्टाचार का जवाब न देने पर असहज स्थिति महसूस कर रहे होते हो।

आज की 'दुधारू गाय की लात खुशी खुशी सहने वाली' राजनीति में कोई माई का लाल या नेता व पार्टी पागलपन की इस सोच तक जाने के लिए एक क्षण भी नहीं सोचेगा, तो फिर इस मुद्दे पर आरोप प्रत्यारोप क्यों? इसलिए जनादेश की अपमान की बात करना सिर्फ जनता को मूर्ख बनाना है।

चेहरा बचाने की कोशिश या हमले की तैयारी

नीरज मनजीत

> चीनी उप विदेशमंत्री ने यहां तक कह दिया कि अमेरिका को इस नाजायज़ पहल की सज़ा भुगतनी होगी। चीन का यह हमलावर अंदाज़ उसके स्वभाव से मेल नहीं खाता। अभी तक चीन की कूटनीति यही रही है कि प्रत्यक्ष युद्ध में न उलझकर चमकाने धमकाने से सामनेवाले को अनवरत दबाव में रखा जाए। पर इस बार चीन बेहद तल्ख़ तरीक़े से अमेरिका और ताइवान के मुकाबले मैदान पर उतर चुका है। अब तो चीन ने एक श्वेत पत्र जारी करके ताइवान को चेतावनी भी दे दी है कि वह या तो चीन में विलय स्वीकार करे अथवा कड़े हमले के लिए तैयार रहे। चीन के इस रवैये ने दुनिया को सकते में डाल दिया है, इसलिए भी की ताइवान भी किसी भी क़ीमत पर झुकने के लिए तैयार नहीं है। चीन के दबाव के आगे ताइवानी आर्मी ने भी जवाबी सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया है। नतीजतन इस पूरे इलाक़े में अभूतपूर्व तनाव पैदा हो गया है।

चीन की आर्मी ने ताइवान को चारों तरफ़ से घेर लिया है। बहाना सैन्य अभ्यास का है, पर असली मक़सद ताइवान को डराना है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा के बाद से चीन भड़का हुआ है। चीन की नज़र में पेलोसी की यात्रा अमेरिका और ताइवान की ऐसी गुस्ताख़ी है, जिसे माफ़ नहीं किया जा सकता। पेलोसी की यात्रा से पहले ही चीन ने ताइवान और अमेरिका को अपने ख़ास अंदाज़ में धमकाया था। शी जिनपिंग को छोड़कर चीन का हर बड़ा राजनयिक तक़रीबन रोज ही धमकी से भरी चेतावनी का बयान जारी कर रहा था। अमेरिका से कहा जा रहा था कि वह आग से न खेले और पेलोसी को ताइवान जाने से रोक दे। चीन ने यहाँ तक कह दिया था कि चीनी आर्मी पेलोसी के विमान को ताइवान में उतरने नहीं देगी। पर अमेरिका ने चीन की कोई भी परवाह नहीं की और अमेरिकी युद्धक विमानों की भारी सुरक्षा के बीच श्रीमती पेलोसी का विमान ताइपे के राजकीय विमानतल पर उतार दिया गया। ताइपे में श्रीमती पेलोसी ने ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग वेन से मुलाकात की और एक बार फिर ताइवान की सुरक्षा के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता को दोहराया।

सच कहा जाए तो ताइवान दशकों से चीन की दुखती रग बना हुआ है। चीन इसे अपना एक अभिन्न हिस्सा मानता है और दुनिया से भी कहता है कि वे चीन की 'वन चाइना पॉलिसी' का सम्मान करते हुए इसे चीन का ही एक अंग मानें। जबकि ताइवान के हुक्मरान चीन की इस दलील को कतई नहीं मानते। उनका कहना है कि ताइवान एक आज़ाद मुल्क है और इसके वर्तमान-भविष्य का फ़ैसला करने का हक़ सिर्फ़ ताइवानी जनता को है। हालांकि इस मसले को लेकर ताइवान में कभी रेफरेंडम नहीं किया गया, किंतु आम तौर पर यही माना जाता है कि ताइवानी जनता चीन के साथ नहीं रहना चाहती। अमेरिका सहित दुनिया के बड़े देशों ने अभी तक ताइवान को पूर्ण संप्रभु देश के रूप में मान्यता नहीं दी है। वैसे बाक़ी वैश्विक बिरादरी को भी ताइवान में उतनी दिलचस्पी भी नहीं है। लेकिन वैश्विक लोकतंत्र का प्रबल झंडाबरदार अमेरिका पूरी दृढ़ता से यह मानता है कि ताइवानी जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों की हिफ़ाज़त करना उसका कर्तव्य है। साथ ही वह यह भी कहता है कि अमेरिका 'वन चाइना पॉलिसी' को भी मानता है। ज़ाहिर है कि ताइवान को लेकर अमेरिका ने अपने राजनय को जानबूझकर अस्पष्ट रखा है। इस अस्पष्ट कूटनीति की वजह से ही चीन हर वक़्त संशय में रहता है।

श्रीमती पेलोसी की ताइवान यात्रा ने चीन को भारी दुविधा और संशय में डाल दिया है। चीन यह कड़वी सच्चाई हजम नहीं कर पा रहा है कि अमेरिका ने दुनिया के सामने उसे नीचा दिखा दिया है। साथ ही वैश्विक बिरादरी में यह भी जता दिया है कि वह ताइवान के मामले में किसी भी हद तक जा सकता है। इसीलिए चीन ने इस बार धमकाने वाले बयानों से ऊपर उठकर चारों तरफ से ताइवान की घेरेबंदी कर दी है। इसके साथ ही तीखे बयानों के जरिए अमेरिका को भी डराने की कोशिशें भी जारी हैं। जैसे ही पेलोसी का प्रवास ख़त्म हुआ, नोमपेन्ह में चल रहे आसियान सम्मेलन में चीनी विदेशमंत्री वांग यी ने कहा कि हम अमेरिका पर कड़े प्रतिबंध लगाने जा रहे हैं। चीनी उप विदेशमंत्री ने यहां तक कह दिया कि अमेरिका को इस नाजायज़ पहल की सज़ा भुगतनी होगी। चीन का यह हमलावर अंदाज़ उसके स्वभाव से मेल नहीं खाता। अभी तक चीन की कूटनीति यही रही है कि प्रत्यक्ष युद्ध में न उलझकर चमकाने धमकाने से सामनेवाले को अनवरत दबाव में रखा जाए। पर इस बार चीन बेहद तल्ख़ तरीक़े से अमेरिका और ताइवान के मुकाबले मैदान पर उतर चुका है। अब तो चीन ने एक श्वेत पत्र जारी करके ताइवान को चेतावनी भी दे दी है कि वह या तो चीन में विलय स्वीकार करे अथवा कड़े हमले के लिए तैयार रहे। चीन के इस रवैये ने दुनिया को सकते में डाल दिया है, इसलिए भी की ताइवान भी किसी भी क़ीमत पर झुकने के लिए तैयार नहीं है। चीन के दबाव के आगे ताइवानी आर्मी ने भी जवाबी सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया है। नतीजतन इस पूरे इलाक़े में अभूतपूर्व तनाव पैदा हो गया है। ज़ाहिर है कि इस तनाव का असर कहीं न कहीं पूरी दुनिया पर पड़ेगा। यदि चीन ताइवान पर हमला कर देता है तो यह रूस-यूक्रेन युद्ध से भी ज़्यादा ख़तरनाक युद्ध होगा।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

कई साहित्यकार

कई साहित्यकार इस बात को लेकर दुखी हैं कि आजकल बहुत से लोग लिखने लगे हैं। जहां देखो, वहीं लेखक-कवि। स्वयं को महान साहित्यकार मानने वालों को चिंता है कि इससे साहित्य का पतन होगा। वे नए लिखने वालों का उपहास उड़ाते रहते हैं। यह स्थिति ठीक नहीं है। लिखने वाले बढ़े, यह अच्छी बात है। धीरे-धीरे सब अच्छा लिखने लगेंगे। नए लेखक खूब पढ़ें, चिंतन करें, अच्छा लिखें। उनका भविष्य उज्ज्वल है। - **राजकुमार धर द्विवेदी**

सभी को लुभाए

सभी को लुभाए हिया में समाए, त्रिभंगी बने माँ यशोदा दुलारा। पड़े कष्ट कोई सदा आ उबारे, गया भक्त द्वारा उसे जो पुकारा। बढ़ा चीर कान्हा करे लाज रक्षा, दुखी दीन का है वही तो सहारा। सुना तान वंशी हरे दुःख सारे, बड़ा ही सलोना कन्हैया हमारा। - **डॉ बिपिन पाण्डेय**

खास पाती

जय शंकर भोले भंडारी तेरी

जय शंकर भोले भंडारी तेरी लीला जग से न्यारी तेरे दर पे जो भी आए उसकी हर ली पीड़ा सारी जय शंकर भोले भंडारी तेरी लीला जग से न्यारी गले सोहे सर्पों की माला गङ्गे मइया शीश पे धारी जय शंकर भोले भंडारी तेरी लीला जग से न्यारी विच्छू के कानों में कुंडल नंदी संग रहें त्रिपुरारी जय शंकर भोले भंडारी तेरी लीला जग से न्यारी हाथों में डमरू भोले के साथ में गौरा माता प्यारी जय शंकर भोले भंडारी तेरी लीला जग से न्यारी स्कंद गणपति दो-दो सुत मात पिता के आज्ञाकारी जय शंकर भोले भंडारी तेरी लीला जग से न्यारी।- **दीपा गुप्ता**

बहुत लोग नीतीश कुमार को भला

बहुत लोग नीतीश कुमार को भला बुरा कह रहे हैं, मगर मैं उन्हें अलग ही नजरिए से देखता हूँ, उन्हें भारत मे सबसे अधिक बार मुख्यमंत्री बनने का भूत सवार है और इसके लिए यदि वे हर पांच साल इंतजार करते रहे तो रिकार्ड बनाना सम्भव नही, इसलिए वे 5 साल में ही दो तीन बार मुख्यमंत्री बनकर ये रिकार्ड बनाना चाहते हैं, उन्हें 8 वीं बार मुख्यमंत्री बनने पर बहुत बहुत बधाई, 6 महीने में यदि 9 वीं बार मुख्यमंत्री बन सके तो मेरी ओर से जोरदार अग्रिम बधाई।

– **संत आर थवाईत**

मधुसूदन को बाँधती कृष्णा राखी

मधुसूदन को बाँधती कृष्णा राखी एक। दौड़े उसकी टेर पर, हृदय बड़ा था नेक। आज नहीं वो युग रहा, नहीं पूर्व-सा प्रेम निजी स्वार्थ की दौड़ में, हार गया स्वविवेक। आज समय ने रख दिया, सम्बन्धों को ताक। राखी फीकी पड़ गई, हुई मित्रता पाक। समय पुरातन एक था, कृष्णा-कृष्ण समीप अब एकल परिवार में , खूँ के रिश्ते खाक। – **अंशु विनोद गुप्ता**

कौन बनेगा करोड़पति के एपिसोड

कौन बनेगा करोड़पति के एपिसोड मे अभिनेता आमिर खान ने वंदे मातरम नही बोला और न ही भारत माता की जय । यह कानूनन कोई गुनाह या अपराध नही है ।ये स्वेच्छापूर्वक किया जाता है बाध्यकारी नही है। – **एड. अरूण कुमार गुप्ता**

बहुत सलीके से यारा मैं

बहुत सलीके से यारा , मैं तेरा इश्क पहनती हूँ, कभी जख्म खुरचती हूँ, तो कभी मैं दर्द मलती हूँ, खुदाया शौक न दे किसी को,ख्वाहिशे इन्तजार का, की खिड़की से तकती हूँ, तो कभी छत पर टहलती हूँ। – **किरण मिश्रा**

तुम न आते तो अच्छा था आ

तुम न आते तो अच्छा था आ के इतने करीब मेरे यूं चले न जाते तो अच्छा था दिल में बसने से पहले अरमानों के जगने से पहले यादों में समाने से पहले चले जाते तो अच्छा था आहिस्ता आहिस्ता उतरते गए सांसों में ऐसे मेरे पता ही न चला होश खोने से पहले होश ही न रहा मझधार में छोड़ देना तेरा किनारे से ही चले जाते तो अच्छा था लरजते अल्फ़ाज़ सिसकते जज़्बात रोज ही टूटती रही मैं खुद को ही कोसती रही तुमसे नजदीकियां न बढ़ाती तो अच्छा था। तूम न आते तो अच्छा था आके इतने करीब मेरे यूं चले न जाते तो अच्छा था। – **बबली सिन्हा वान्या**

खुश नसीबों को यहाँ मिलता बहन

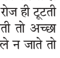

खुश नसीबों को यहाँ मिलता बहन का प्यार है दूर हर संकट रहे रक्षा कवच आधार है पर्व राखी का मनाने आ गई बहने सभी है बहुत पावन ये' रक्षा सूत्र का त्यौहार है।

– **संजय कुमार गिरि**

QUIZ TIME

1) सजिया नृत्य की रचना किसने की?
2) छत्तीसगढ़ का विद्यासागर किसे कहा जाता है?
3) भारतीय संविधान का कौन-सा भाग संविधान की आत्मा कहलाता है?
4) ऐसी स्थिति जिसमें स्फीति तथा मंदी, दोनों ही स्थितियाँ साथ-साथ बनी रहें, क्या कहलाती है?
5) मनप्रीत कौर ने अन्तर्राज्यीय एथलेटिक्स मीट, चेन्नई में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह किस खेल से संबंधित है?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) शंकर देव (2) पंडित सुंदरलाल शर्मा (3) संवैधानिक उपचारों का अधिकार (4) स्टैगफ्लेशन (5) शॉट पुट

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1642: डच खगोलशास्त्री क्रिश्चियन ह्यूगेंस ने मंगल के दक्षिणी ध्रुव की चोटी का पता लगाया। 1645: स्वीडन और डेनमार्क ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। 1784: भारत में प्रशासनिक सुधारों के लिए पिट्स इंडिया विधेयक ब्रिटिश संसद में पेश किया गया। 1814: दासों के व्यापार को समाप्त करने के लिए ब्रिटेन और हॉलैंड के बीच समझौता। 1892: अमेरिकी समाचार पत्र एफ्रो अमेरिकन का बाल्टीमोर से प्रकाशन शुरू। 1898: जार्ज डेवी के नेतृत्व में अमेरिकी सेना ने फिलिपींस की राजधानी मनीला पर कब्जा किया। 1902: इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को एक विकेट से हराकर ओवल की प्रसिद्ध जीत दर्ज की। 1913: इंग्लैंड के हैरी ब्रेअर्ली शेफील्ड ने स्टेनलेस स्टील का आविष्कार किया। 1951: भारत में निर्मित पहले विमान हिंदुस्तान ट्रेनर 2 ने पहली उड़ान भरी। 1956: लोकसभा में राष्ट्रीय राजमार्ग विधेयक पारित। 1960: अफ्रीका फ्रांस के कब्जे से स्वतंत्र हुआ। 1993: वाशिंगटन में इजरायल एवं फलस्तीन के बीच शांति समझौता। 1993: थाईलैंड के नाखोन रचासिमा में होटल ढह जाने से 114 लोगों की मौत। 1994: अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच जेनेवा में परमाणु निरस्त्रीकरण के संबंध में ऐतिहासिक सहमति। 1999: लेखिका तसलीमा नसरीन की नई पुस्तक आमार मऐबेला (मेरा बचपन) पर बांग्लादेश सरकार ने प्रतिबंध लगाया। 2008: विश्व की प्रमुख इस्पात कंपनी टाटा स्टील ने वियतनाम में संयुक्त रूप से इस्पात परिसर के निर्माण के लिए वहां की दो प्रमुख कंपनियों के साथ समझौता किया।

पूर्व सांसद तथा राज्य महिला आयोग अध्यक्ष सहित अन्य बहनों ने मुख्यमंत्री भूपेश की सजाई कलाई

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को उनके निवास कार्यालय में पूर्व राज्यसभा सांसद मती छाया वर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक सहित अन्य बहनों ने राखी बांधे। बहनों ने मुख्यमंत्री की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उनके स्वस्थ, सुदीर्ध और सुखमय जीवन की मंगल कामना की। मुख्यमंत्री बघेल ने रक्षाबंधन के पर्व पर बहनों के स्नेह के लिए उनका आभार जताया और उन्हें उपहार सामग्री भी भेंट की। इस अवसर पर उपाध्यक्ष, अन्त्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम सुनीता लोधी, सीमा वर्मा, शारदा देवी वर्मा तथा किरण सिन्हा ने भी राखी बांधकर उनके सुदीर्ध और सुखमय जीवन की मंगल कामना की।

राज्यपाल उइके को मुख्यमंत्री बघेल ने रक्षाबंधन पर उपहार भेजकर दी शुभकामनाएं

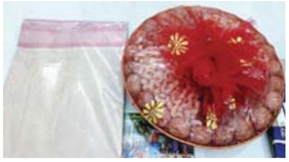

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल अनुसुईया उइके को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज रक्षाबंधन की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपने मुझे राखी भेजकर जो आत्मीयता और सद्भावना प्रेषित की है, वह भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को और भी मजबूत बनाएगी।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि आपकी राखी पाकर मुझे और मेरे परिवारजनों को सुखद अनुभूति हुई है। मुझे विश्वास है कि आपका स्नेह और आशीर्वाद हम पर सदैव बना रहेगा। भाई के रूप में मैं अपना कर्त्तव्य निभाने के लिए सदैव तत्पर रहूंगा। मुख्यमंत्री बघेल ने राज्यपाल सु उइके को उपहार और मिष्ठान भेजकर उनके स्वस्थ, सुखी और यशस्वी जीवन की कामना की।

सीएम को प्रयास की बालिकाओं ने बांधी राखी

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को आज शाम रक्षाबंधन के पावन अवसर पर यहां उनके निवास परिसर में प्रयास एजुकेशन सोसायटी की बालिकाओं ने राखी बांधी। बालिकाओं ने मुख्यमंत्री बघेल की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उनके स्वस्थ सुदीर्ध और खुशहाल जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री ने बालिकाओं से उनका हाल-चाल जाना और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

छत्तीसगढ़ के समग्र विकास के लिए निरंतर हो रहे कार्य : मुख्यमंत्री बघेल

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से आज शाम राजधानी रायपुर स्थित उनके निवास कार्यालय में अखिल भारतीय कुर्मी महासभा के प्रतिनिधि मंडल ने सौजन्य मुलाकात की। गौरतलब है कि राजधानी रायपुर के अग्रसेन धाम में 10 से 12 अगस्त तक अखिल भारतीय कुर्मी समाज तथा मतदाता जागृति मंच के तत्वावधान में महासभा का आयोजन किया गया है। महासभा में देश के विभिन्न राज्यों से कुर्मी समाज के प्रतिनिधि शामिल हुए हैं।

मुख्यमंत्री बघेल ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के समग्र विकास के लिए हर समाज तथा वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य हो रहे हैं। इनमें नवाचार का प्रयोग करते हुए ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है, जिससे लोगों को रोजगार का भरपूर अवसर मिले। साथ ही उनकी आमदनी में निरंतर वृद्धि हो। उन्होंने बताया कि इसके परिणामस्वरूप आज विकास के छत्तीसगढ़ मॉडल की चर्चा पूरे देश में हो रही है। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में चलाए जा रहे योजनाओं और कार्यक्रमों से पूरे प्रदेश के विकास को नई दिशा मिली है। इससे किसान, मजदूर, गरीब, आदिवासी सहित सभी वर्ग के लोगों को आगे बढ़ने के भरपूर अवसर मिलने लगे हैं।

इस अवसर पर अखिल भारतीय कुर्मी समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष चोवाराम वर्मा तथा राष्ट्रीय महासचिव आर.एस. कनौजिया आदि ने भी संबोधित किया और छत्तीसगढ़ के विकास के लिए मुख्यमंत्री बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की सराहना की। प्रतिनिधि मंडल में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय कुर्मी समाज एवं मतदाता जागृति मंच नंदकुमार बघेल तथा अन्य पदाधिकारी सर्व संतोष कुमार, क्रांतिकुमार, नारायण सिंह, अनिल कुमार चौधरी, श्याम पटेल, सुनील देशायी, विमल साहू, सुनील गहलोत, मती शर्मिला जोहरी, डॉ. दीनानाथ वर्मा, के.पी. कुर्मवंशी, डी.पी. पटेल, सु पूजा मौरे, सु प्रतिभा सिंह, विजय पटेल, डी.राजशेखर रेड्डी, रमाशंकर पटेल आदि शामिल थे।

ह्यह्यराष्ट्रमंडल गेम्स में सिल्वर मेडल विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी आकर्षि ने सीएम से की मुलाकात

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से आज छत्तीसगढ़ में बैडमिंटन की सभी वर्ग की नेशनल चैम्पियन रही आकर्षि कश्यप ने सौजन्य मुलाकात की। कु. आकर्षि कश्यप को हाल ही में राष्ट्रमंडल गेम्स 2022 बर्किंघम में बैडमिंटन के टीम चैम्पियनशिप में सिल्वर मेडल प्राप्त हुआ है। गौरतलब है कि कु. आकर्षि कश्यप छत्तीसगढ़ की पहली बैडमिंटन खिलाड़ी हैं, जिन्होंने राष्ट्रमंडल गेम्स 2022 में हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री बघेल ने कश्यप को इस उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि कु. कश्यप ने अपनी खेल प्रतिभा से पूरे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है, जो हम सभी प्रदेशवासियों के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कु. आकर्षि को उनकी उपलब्धि के प्रोत्साहन के लिए राज्य शासन की ओर से शासकीय नौकरी प्रदान करने भी आश्वस्त किया। मुख्यमंत्री बघेल को इस अवसर पर कु. आकर्षि कश्यप ने राष्ट्रमंडल गेम्स 2022 में भारत के लिए पदक जीतने वाले सभी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर युक्त टी-शर्ट उपहारस्वरूप भेंट की। उल्लेखनीय है कि 21 वर्षीय कु. आकर्षि कश्यप दुर्ग जिले की निवासी है। वे छत्तीसगढ़ में बैडमिंटन खेलते हुए बैडमिंटन की सभी वर्ग की नेशनल चैम्पियन रही है। अंडर-13,15,17,19 में गोल्ड मेडल व सीनियर नेशनल में भी पदक हासिल किया। वे एशियन जूनियर तथा वर्ल्ड जूनियर में भी टीम इंडिया की सदस्य रही। इसके अलावा कु. कश्यप खेलो इंडिया में भी विजेता रही है

प्रकृति की सेवा, परंपरा और संस्कृति का अभिन्न अंग भोजली पर्व : राज्यपाल उइके

- **राज्यपाल उइके राष्ट्रीय भोजली महोत्सव में हुई शामिल**
- **आदिवासी परंपरा के रंग में रंगी राज्यपाल, उत्साह के साथ मनाया भोजली महोत्सव**

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल अनुसुईया उइके के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति द्वारा सावन पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय भोजली महोत्सव में शामिल हुई। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते ही नगाड़ा और मांदर की थाप पर परंपरागत नृत्य करते हुए राज्यपाल सु उइके का आत्मीय स्वागत किया गया और समिति के सदस्यों ने सम्मान स्वरूप उन्हें छत्तीसगढ़ी आभूषण पहनाया। इस दौरान राज्यपाल ने भोजली माता और बड़ादेव की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल सु उइके ने भोजली पर्व और रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि आज यहां देश के विभिन्न राज्यों से जनजातीय समाज के लोग भोजली के अवसर पर एकत्रित हुए हैं। इतनी बड़ी संख्या में लोगों का एकजुट होकर त्यौहार मनाना दर्शाता है कि जनजातीय समाज में भोजली पर्व का कितना महत्व है। राज्यपाल ने भोजली पर्व मनाने की परंपरा और इस दौरान आयोजित होने वाली गतिविधियों के बारे में बताते हुए कहा कि लोग भोजली माता से हरियाली और अच्छे फसल की कामना करते हैं। भोजली अनादिकाल से चली आ रही परंपरा व संस्कृति का अभिन्न अंग है। यह मूलतः अन्न माता व प्रकृति की सेवा है। अंकुरित बीज के पल्लवित रूप की भोजली माता के रूप में सेवा की जाती है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज प्रकृतिपूजक है और प्रकृति के सान्निध्य में रहते हुए संतुलित जीवन व्यतीत कर रहा है। प्रकृति के निकट होने के कारण ही आदिवासी कोरोना जैसे वैश्विक महामारी के दौरान भी सुरक्षित रह पाए। राज्यपाल सु उइके ने कहा कि हमें समझना चाहिए कि प्रकृति के साथ ही मनुष्य का सहअस्तित्व है और भोजली जैसे त्यौहार इस सहअस्तित्व को और अधिक प्रासंगिक बनाते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के अलावा मध्यप्रदेश, ओड़िशा, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, झारखण्ड, बिहार, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों से भी प्रतिनिधि के रूप में गोंडी धर्म के अनुयायीगण शामिल हुए हैं। विभिन्न राज्यों से लोगों के शामिल होने से त्यौहार का आनंद तो बढ़ता ही है, साथ-साथ भौगोलिक दूरियों के बावजूद आत्मीय सम्बन्ध बनते हैं। और सांस्कृतिक रूप से भी समृद्धि आती है। राज्यपाल ने कहा कि आदिवासी समुदाय के लिए गर्व की बात है कि एक आदिवासी महिला देश के सर्वोच्च पद पर है, जो समाज को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा और वे अपने अधिकारों के प्रति सजग होंगे।

एनएमडीसी व फिक्की का भारतीय खनिज और धातु उद्योग पर सम्मेलन 23-24 को

नई दिल्ली/ नवप्रदेश। एनएमडीसी और फिक्की 23 और 24 अगस्त को ताज पैलेस, डिप्लोमेटिक एन्क्लेव नई दिल्ली में '2030 की ओर परिवर्तन और विजन-2047 विषय पर भारतीय खनिज और धातु उद्योग पर सम्मेलन का आयोजन करेंगे।

दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन भारत की स्वतंत्रता के 75 गौरवशाली वर्षों और आजादी का 'अमृत महोत्सव' के उपलक्ष्य में केंद्रीय इस्पात और खान मंत्रालयों के सहयोग से किया जा रहा है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य 'विजन 2047' को प्राप्त करने के लिए खनिज और धातु क्षेत्र के लिए भविष्य की योजना पर विचार विमर्श करना है।

इस कार्यक्रम में उद्योग, नीति और अकादमिक जगत के वक्ता शामिल होंगे। वैश्विक और घरेलू उत्पादक, खनिज संगठन, नीति निर्माता, खान उपकरण निर्माता, वैश्विक कॉर्पोरेट्स के देश प्रमुख, केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारी उपस्थित भी सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

इस सम्मेलन में वैश्विक और भारतीय खनिज और धातु उद्योगों पर विचार-विमर्श और विश्लेषण, खान क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकियों पर चर्चा, अपेक्षित नीतिगत वातावरण पर संवाद शामिल होगा।

पूर्वावलोकन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फिक्की खनन समिति के अध्यक्ष और एनएमडीसी लिमिटेड के अध्यक्ष व सह प्रबंध निदेशक सुमित देब ने कहा कि देश में विशाल खनिज संसाधन आधार और व्यापार और नियामक वातावरण के विकसित और आसान होने को देखते हुए, देश के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय दिग्गज भी देश की खानों और खनिज उद्योग में रुचि दर्शा रहे हैं।

श्री देब ने कहा कि उद्योग, केंद्र और राज्यों सहित सभी प्रासंगिक हितधारकों के बीच सहयोग महत्वपूर्ण है और आगामी सम्मेलन सहयोग को मजबूत करने और आगे की योजना तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा। चुनौतियों और बाधाओं को संबोधित करना और उनके लिए समाधान ढूंढना प्रगति की कुंजी है और यह सम्मेलन इसके लिए सही मंच प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र को आसान बनाने और देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सुधारों के माध्यम से भारत में खनन क्षेत्र में एक आदर्श बदलाव हो रहा है। हमारी नीति निर्माण में आसान और प्रभावशाली निर्णय की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और नीति निर्माण को और आसान बनाने और समयबद्ध और विवेकपूर्ण तरीके से मंजूरी प्राप्त करने में मदद करने के लिए मानदंड तैयार किए जा रहे हैं।

एनएमडीसी निदेशक (उत्पादन) डी. के. मोहंती ने कहा कि देश आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है और आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। खान और खनिज उद्योग 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत की विकास की योजना में एक प्रमुख भूमिका निभाएंगे ।

फिक्की उप महासचिव सुश्री ज्योति विज ने कहा कि खान और खनिज क्षेत्र सरकार की निर्णय लेने की प्रक्रिया के मूल में है और इसका लक्ष्य घरेलू संसाधनों का इष्टतम उपयोग करना है, जिससे रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा और देश के विभिन्न हिस्सों में तेजी से आर्थिक विकास होगा।

आगामी सम्मेलन में नए युग के खनिजों, डिजिटलीकरण और स्वचालन और अन्य तकनीकी नवाचारों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। इस कार्यक्रम में दुनिया भर में खनिजों और धातुओं के भविष्य पर एक कंट्री पैनल चर्चा भी होगी।

सम्मेलन से खनिजों और धातुओं के लिए वैश्विक वस्तु बाजार को समझने, खनिज विकास और आर्थिक विकास के बीच अंतर-संबंध, भारतीय खनिज और धातु उद्योग को प्रभावित करने वाले अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के घटनाक्रम और भारतीय खनिज और धातु उद्योग में अवसरों की पहचानने में भी सहायता मिलेगी। भारत अधिकांश खनिजों से संपन्न है। ईंधन, परमाणु, धातु, गैर-धातु और गौण खनिजों सहित 95 खनिजों का उत्पादन करता है।

किसानों ने किया 8 लाख 74 हजार 914 क्विंटल प्रमाणित बीज का उठाव

रायपुर। राज्य में चालू खरीफसीजन में शासन के विभिन्न संस्थान एवं निजी क्षेत्र के माध्यम से प्रमाणित बीज वितरित किए जाने की प्रक्रिया अनवरत रूप से जारी है। जिसके तहत किसानों को अब तक विभिन्न खरीफ फसलों के 8,74,914 क्विंटल प्रमाणित बीज का उठाव किया गया है। चालू खरीफ सीजन में बीज वितरण की यह मात्रा चालू खरीफसीजन में बीज वितरण के लिए निर्धारित लक्ष्य 10 लाख 5 हजार क्विंटल की तुलना में 87 प्रतिशत है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार सरकारी संस्थाओं सहित निजी क्षेत्रों में अब तक कुल 8 लाख 93 हजार 682 क्विंटल प्रमाणित बीज का भण्डारण किया गया है, जोकि लक्ष्य का 89 प्रतिशत है। भण्डारित प्रमाणित बीजों में 8,33,170 क्विंटल धान, 27,333 क्विंटल मक्का, 4708 क्विंटल अरहर, 14,836 क्विंटल सोयाबीन तथा 13,635 क्विंटल अन्य फसलों के बीज शामिल हैं। किसानों द्वारा अब तक 8,14,801 क्विंटल धान, 27,333 क्विंटल मक्का, 4587 क्विंटल अरहर, 14,836 क्विंटल सोयाबीन तथा 13,357 क्विंटल अन्य खरीफ फसलों के बीज का उठाव कर लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ पत्रकार विजय भट्टाचार्य के निधन पर जताया शोक

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वरिष्ठ पत्रकार विजय भट्टाचार्य के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया है। मुख्यमंत्री ने भट्टाचार्य के परिवारजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। स्वर्गीय भट्टाचार्य जी ने रायपुर और दुर्ग-भिलाई में अनेक समाचारपत्रों में सेवाएं दी हैं। पत्रकारिता की शुरुआत उन्होंने युगधर्म से की और लंबे समय तक नवभारत समूह में पत्रकारिता की।

छत्तीसगढ़ के सभी स्कूलों में शुरू होंगी स्काउट्स गाईड्स की गतिविधियां

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सभी शासकीय, अशासकीय, एकलव्य विद्यालय और स्वामी आत्मानंद स्कूलों में स्काउट गाइड की गतिविधियों संचालित की जाएंगी। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा सभी संभागीय संयुक्त संचालक स्कूल शिक्षा और जिला शिक्षा अधिकारियों को जिले के सभी स्कूलों में स्काउट-गाइड, रोवर रेंजर दल का पंजीयन एवं दल संचालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। संचालक लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा संबंधितों को जारी पत्र में कहा गया है कि भारत स्काउट्स एवं गाईड्स छत्तीसगढ़ द्वारा राज्य के सभी जिलों में स्काउटिंग-गाइडिंग का कार्य सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। इस संबंध में प्रदेश के सभी शासकीय, अशासकीय, एकलव्य विद्यालय और स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी और हिन्दी माध्यम स्कूलों में नई शिक्षा नीति के तहत नियमानुसार दल का पंजीयन एवं दल संचालन कराना सुनिश्चित करें, ताकि छात्र-छात्राएं स्काउटिंग-गाइडिंग गतिविधियों में भाग ले सकें। उल्लेखनीय है कि इसी माह 8 अगस्त को भारत स्काउट एंड गाइड के राज्य परिषद की बैठक में स्कूल शिक्षा मंत्री एवं राज्य अध्यक्ष स्काउट गाइड डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम द्वारा सभी स्कूलों में स्काउट एवं गाइड की गतिविधियां शुरू करने की घोषणा की गई थी। मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा था कि राज्य के समस्त जिलों के बच्चों में आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण, स्वस्थ आदतों एवं जीवन कौशल विकास के लिए उन्हें श्रम की महत्ता को समझाते हुए कुशलता से सेवाभावना विकसित किए जाने के उद्देश्य से स्काउट एवं गाइड परियोजना को प्रदेश के सभी स्कूलों में लागू किया जाना आवश्यक है।

रोबोटिक्स की मदद से यूरोलॉजी में बेहतर परिणाम

- **एम्स में यूरोकॉन-2022 में जुटे देशभर के यूरोलॉजिस्ट ने नई तकनीक पर की चर्चा**
- **विभिन्न प्रकार के कैंसर और ट्यूमर के उपचार संबंधी अनुभवों को किया गया साझा**

रायपुर/नवप्रदेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के तत्वावधान में आयोजित यूरोकॉन -2022 में देशभर के प्रमुख यूरोलॉजिस्ट ने रोबोटिक्स और नई तकनीक की मदद से रोगियों के उपचार और बेहतर परिणाम पर जोर दिया। इस अवसर पर डॉ. ललित शाह को यूरोलॉजी में अतुलनीय योगदान के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया।

कांफ्रेंस का उद्घाटन करते हुए निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर ने कहा कि यूरोलॉजी के क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से निरंतर नए और बेहतर परिणाम मिल रहे हैं। ऐसे में प्रमुख यूरोलॉजिस्ट को एक साथ आकर स्वयं के अनुभवों को साझा करना चाहिए जिससे शोध और अनुसंधान को एक नई दिशा मिल सके। उन्होंने एम्स के यूरोलॉजी विभाग में गंभीर रोगियों के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे छत्तीसगढ़ को यूरोलॉजी संबंधी नवीन चिकित्सा और उपचार उपलब्ध हो सका है।

डॉ. महेश आर. देसाई ने यूरोकॉन को चिकित्सकों और छात्रों के लिए नवीन तकनीक को जानने का एक माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि कांफ्रेंस के विभिन्न व्याख्यानों से यूरोलॉजी के क्षेत्र में चल रहे नवीन तकनीक के अनुप्रयोगों से चिकित्सकों को सीखने का मौका मिला। उन्होंने रोबोटिक पार्शियल नेफ्रेकटॉमी की चर्चा करते हुए कहा कि यह चिकित्सकों पर निर्भर करता है कि वे ओपन, लेप्रोस्कोपी या रोबोटिक्स की मदद से सर्जरी करना चाह रहे हैं।

इंग्लैंड से ऑन लाइन जुड़े डॉ. निखिल वासदेव ने पोस्ट यूरेनरी ब्लेडर में रोबोटिक रेडिकल सिस्टेक्टॉमी के संबंध में व्याख्यान दिया। आयोजन सचिव डॉ. अमित आर. शर्मा ने बताया कि देशभर के प्रमुख यूरोलॉजिस्ट ने रिनल ट्यूमर, ब्लेडर कैंसर, पिनाइल कैंसर, टेस्टीकुलर कैंसर और फीमेल यूरोलॉजी के विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

इस अवसर पर डॉ. ललित शाह को लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार भी प्रदान किया गया। कांफ्रेंस में डॉ. प्रशांत भागवत, डॉ. योगेश बारपत्रे, डॉ. दीपक बिस्वाल, प्रो. आलोक चंद्र अग्रवाल, प्रो. सरिता अग्रवाल और प्रो. एली मोहापात्रा ने भी भाग लिया।

न्यूज गैलरी

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत निगम के अधिकारी-कर्मचारियों ने ली शपथ

भिलाई नगर (नव प्रदेश)। नगर निगम भिलाई के अधिकारी/कर्मचारियों ने आज नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शपथ ली। महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर के निर्देश पर अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित होकर नशा मुक्त भारत अभियान के तहत अपने समुदाय, परिवार, दोस्तों को बल्कि खुद को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लेने के लिए एकजुट हुए क्योंकि परिवर्तन भीतर से शुरू होता है इसलिए अपने स्वयं को नशा मुक्त बनाने का संकल्प अधिकारी/कर्मचारियों ने लिया। इस बात की भी शपथ ली की भारत को नशा मुक्त बनाने के लिए स्वयं अपनी क्षमता से हर संभव प्रयास करेंगे। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बढ़-चढ़कर भिलाई निगम के अधिकारी/कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

सतनामी समाज ने मिनीमाता को किया याद

कुम्हारी (नव प्रदेश)। कुम्हारी नगर के सतनामी समाज ने गुरु माता मिनीमाता जी की पुण्यतिथि चन्दन अभिनन्दन कर मनाया। जिसमें समस्त सतनामी समाज के विभिन्न स्थानों से आये अतिथियों में श्रीमती माता केकती देशलहरे ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूवात की।उपस्थित अथिति अंजोरदास, राजा टण्डन युगेश्वर पटेला, लेखराम गेन्द्रे, नीरज पटेला, छगन जांगड़े , बेबी अनुष्का, किंजल देशलहरे, आदित्य स्वामी, बंकु एवं अश्वनी देशलहरे विशेष रूप से सम्मिलित हुए।

हर घर तिरंगा अभियान के लिए कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट परिवार को वितरित किया तिरंगा

दुर्ग (नव प्रदेश)। हर घर तिरंगा अभियान को लेकर आम नागरिकों में अपूर्व उत्साह छलक रहा है। आज हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत कलेक्ट्रेट के अधिकारी-कर्मचारियों को भी कलेक्टर श्री पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने तिरंगा वितरित किया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई और जिला पंचायत सीईओ श्री अश्विनी देवांगन, संयुक्त कलेक्टर श्री प्रवीण कुमार वर्मा, एसडीएम श्री जागेश्वर कौशल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर कलेक्टर ने अधिकारी-कर्मचारियों से चर्चा भी की। सभी ने बताया कि इस बार घर में तिरंगा लहराने को लेकर काफी उत्साह है। हम सबने निश्चय किया है कि अपने घर में तिरंगा लगाएंगे। कलेक्टर ने कहा कि स्वाधीनता दिवस का दिन बहुत पावन रहता है। इस दिन सभी घरों में तिरंगा लहरायेगा तो पर्व का उत्साह और भी बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि आप सभी अपने घर में तिरंगा फहराये हीं, साथ ही अपने पड़ोसियों और शुभचिंतकों को भी अपने घरों में तिरंगा लगाने प्रेरित करें। उल्लेखनीय है कि दुर्ग जिले में इस अभियान को लेकर विशेष रूप से तैयारी की गई है। बड़े पैमाने पर समूह की महिलाएं भी तिरंगा बना रही हैं और सी-मार्ट आदि माध्यमों से इसका विक्रय किया जा रहा है।

विकास हेतु 14 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति

दुर्ग (नव प्रदेश)। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजनांतर्गत जिले के विधानसभा दुर्ग ग्रामीण के ग्राम पंचायतों में विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए 14 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। इनमें दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत क्षेत्रीय विधायक श्री ताम्रध्वज साहू की अनुशंसा पर 02 निर्माण कार्यों के लिए 14 लाख रूपए की स्वीकृति दी गई है। स्वीकृत राशि से ग्राम दमोदा के टेमरी नाला के पास मुरमीकरण कार्य और ग्राम पाउवारा में तालाब पारा में भवन निर्माण के कार्य शामिल है।

नगपुरा में स्वामी आत्मानंद स्कूल में अव्यवस्था पर नाराज हुए कलेक्टर

आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चे नहीं मिलने पर सुपरवाइजर और कार्यकर्ता को नोटिस जारी

■ **टीकाकरण अभियान की समीक्षा भी की**

नव प्रदेश संवाददाता

दुर्ग। नगपुरा में स्वामी आत्मानंद स्कूल में लैब सामग्री आ चुकी है लेकिन इसे अभी तक व्यवस्थित नहीं किया जा सका है। इसके साथ ही स्कूल में नवाचार किये जाने के प्रति उदासीनता को लेकर कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा नाराज हुए। उन्होंने संस्थान की प्राचार्य श्रीमती जान को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि जिले के शेष स्वामी आत्मानंद स्कूलों में बहुत अच्छा काम हो रहा है। प्राचार्य नवाचार कर रहे हैं, अपनी संस्था को सुंदर और गुणवत्तायुक्त बनाने के प्रयास कर रहे हैं लेकिन नगपुरा में ऐसा नहीं दिख रहा। कलेक्टर ने यहां की दिक्कतों के बारे में शिक्षकों से पूछा। शिक्षकों ने बताया कि अज्ञात तत्वों द्वारा ब्वायज टायलेट को तोड़ दिया गया है। मच्छर काफी हैं। इस पर कलेक्टर ने आरईएस अधिकारियों से इसके मरम्मत के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने निकासी को बेहतर बनाने एवं जलभराव वाले गड्ढों में कैरोसीन डलाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने स्कूल कैंपस का निरीक्षण भी किया। यहां काफी गंदगी थी। इस पर उन्होंने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने शिक्षा अधिकारियों से स्कूल की व्यवस्था को ठीक करने कहा। यहां स्टाफके अतिरिक्त अन्य तरह की संसाधनों की जरूरत के संबंध में भी प्रस्ताव देने उन्होंने कहा। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन, एसडीएम मुकेश रावटे, सीईओ लवकेश ध्रुव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बोरई के आंगनबाड़ी केंद्र में सांप आते हैं, भवन का ड्रेनेज सुधारने के एवं अन्य उपाय करने के दिये निर्देश- कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण भी किया। उन्होंने बोरई के आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यकर्ता से दिक्कतों के बारे में पूछा। कार्यकर्ता ने बताया कि यहां सांप निकलते हैं। केंद्र को खोलने से पहले चेक करते हैं। इस पर कलेक्टर ने आरईएस अधिकारियों को इसे ठीक करने उपाय करने कहा। इसके लिए भवन का ड्रेनेज सुधारने के साथ ही इसकी ऊंचाई बढ़ाने भी निर्देश दिये। कलेक्टर ने रसमड़ा के पांच नंबर आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण भी किया। यहां बच्चे नहीं दिखे। कार्यकर्ता ने बताया कि पांच बच्चे आये थे। वे चले गये हैं। इस पर कलेक्टर ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र में पूरे समय बच्चों को रखकर खाना खिलाने के बाद एक्टिविटी करानी है ताकि उनका शारीरिक के साथ ही मानसिक विकास भी हो। केवल भोजन कराना ही जिम्मेदारी नहीं है। उन्होंने इसके लिए कार्यकर्ता और सुपरवाइजर को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने रसमड़ा और बोरई में टीकाकरण कार्य की प्रगति देखी। उन्होंने स्थानीय अमले को कहा कि हर घर जाएं और लोगों को इसके लिए प्रोत्साहित करें। बूस्टर डोज का पूरा लक्ष्य हासिल करना है ताकि कोरोना से बचाव के लिए ठोस प्रतिरोधक क्षमता लोगों में बनी रहे। कलेक्टर ने रसमड़ा में पीएचसी के नये भवन का निर्माण भी देखा और गुणवत्तापूर्वक कार्य करने के लिए निर्देश दिये।

स्वामी आत्मानंद स्कूल के निर्माण में लेटलतीफी

■ **एजेंसी को जारी होगा नोटिस, निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को दिए निर्देश**

नव प्रदेश संवाददाता

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने आज अंग्रेजी माध्यम स्कूल सेक्टर 6 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्य में लेटलतीफी और सुस्त चाल के कारण निर्माण कार्य में देरी को लेकर आयुक्त ने एजेंसी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं तथा शीघ्र कार्य पूर्ण करने अधिकारियों को कहा हैं। उन्होंने कहा कि निर्माण की तीव्रता के साथ ही गुणवत्ता का भी ध्यान रखें। उन्होंने पूरे कैंपस का निरीक्षण अधिकारियों के साथ किया। इस दौरान जोन आयुक्त एन आर रत्नेश, कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे तथा उप अभियंता श्वेता महेश्वर मौजूद रहे। सेक्टर छह स्थित इंग्लिश मीडियम स्कूल में बैडमिंटन कोर्ट बास्केटबॉल एवं वॉलीबॉल ग्राउंड तैयार किया जा रहा है बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल गतिविधियों का भी लाभ मिलेगा। निगमायुक्त ने कहा कि सभी काम समानांतर करते हुए स्कूल निर्माण कार्य पूरा कराए, बारिश के दौरान भी अंदरूनी कई सारे कार्य पूर्ण किए जा सकते हैं। विधायक देवेंद्र यादव और महापौर नीरज पाल की पहल से नगर भिलाई में 3 शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में भवन रिनोवेशन, निर्माण, खेल सुविधा एवं अन्य आवश्यक कार्य निगमायुक्त लोकेश चंद्राकर के निरंतर मानिटरिंग से युद्ध स्तर पर हो रहा है। सेक्टर 6 स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में 80 लाख की लागत से छत का संधारण, तीन अतिरिक्त कक्ष निर्माण, बास्केटबॉल कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, बैडमिंटन कोर्ट, पेंटिंग कार्य, फ्रंट व्यू, प्रवेश द्वार, प्रकाश व्यवस्था, वॉल आर्ट, लैंडफिलिंग एवं लेवलिंग, गार्डनिंग, लैंडस्कैपिंग एवं अन्य कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि टाइम डेडलाइन के अनुरूप कार्य को पूर्ण कराएं, जोन आयुक्त एवं संबंधित अभियंता इसकी मॉनिटरिंग नियमित रूप से स्वयं करें।

हर घर झंडा अभियान के तहत लोगों ने 30,000 तिरंगे झंडे महिलाओं से खरीदे

नव प्रदेश संवाददाता

भिलाई नगर। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत स्व सहायता समूह की महिलाओं ने तिरंगे झंडे के विक्रय के लिए अलग-अलग स्थानों पर स्टॉल के माध्यम से तिरंगा झंडा का विक्रय किया। 30,000 तिरंगा झंडा लोगों ने खरीदे। महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने हर घर झंडा अभियान को सफल बनाने की अपील की है। आज निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने मुख्य कार्यालय में लगे हुए स्टॉल का निरीक्षण किया और उन्होंने स्वयं तिरंगा झंडा महिलाओं से क्रय किया। हर घर झंडा कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय ध्वज को अपने-अपने घरों में फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। संकल्प स्व सहायता समूह कोहका के द्वारा 10,000, हयात स्व सहायता समूह के द्वारा 5000, मिराज स्व सहायता समूह के द्वारा 4000, ईश्वरी स्व सहायता समूह के द्वारा 7000 एवं जय बजरंगबली स्व सहायता समूह के द्वारा 4000 तिरंगे झंडे का निर्माण किया गया था, इन सभी तिरंगे झंडे को लोगों ने अपने घरों में फहराने के लिए खरीद लिया। हर घर झंडा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए स्व सहायता समूह की महिलाएं काफी दिनों से मेहनत कर रही थी और निर्माण पश्चात इसके लिए स्टॉल लगाकर लोगों को झंडे उपलब्ध कराए गए। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महापौर नीरज पाल निगम के मुख्य कार्यालय में ध्वजारोहण करेंगे वही शहीद उद्यान सेक्टर 5 में विधायक देवेंद्र यादव ध्वजारोहण करेंगे, निगम के सभी अनुविभागीय कार्यालयों में जोन समिति के अध्यक्ष ध्वजारोहण करेंगे।

कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडलिस्ट आकर्षि को सरकारी नौकरी का आश्वासन

नव प्रदेश संवाददाता

दुर्ग। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से गुरुवार को कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल विजेता आकर्षि कश्यप ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री बघेल ने आकर्षि को इस उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आकर्षि ने अपनी खेल प्रतिभा से पूरे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। जो हम सभी प्रदेशवासियों के लिए गौरव की बात है। उन्होंने आकर्षि की उपलब्धि के प्रोत्साहन के लिए राज्य शासन की ओर से शासकीय नौकरी प्रदान करने आश्वस्त किया है। मुख्यमंत्री को इस अवसर पर आकर्षि कश्यप ने राष्ट्रमंडल गेम्स 2022 में भारत के लिए पदक जीतने वाले सभी खिलाड़ियों के हस्ताक्षरयुक्त टी-शर्ट उपहार स्वरूप भेंट की। आकर्षि छत्तीसगढ़ की पहली बैडमिंडन खिलाड़ी है। जिन्होने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में हिस्सा लेकर सिल्वर मेडल जीता है।छत्तीसगढ़ शासन उन्हें गुण्डाधूर पुरस्कार तथा शहीद कौशल पुरस्कार से सम्मानित कर चुकी है। सीएम से मुलाकात के दौरान विधायक देवन्द्र यादव, आकर्षि के पिता डॉ. संजीव कश्यप,छग बाल अधिकार संरक्षण आयोग सदस्य सोनल गुप्ता भी मौजूद थे।

Name change

It is informed to the general public that I HEMANT KUMARS/O BALLURAM DEWANGAN resident of VILLAGE Jamul Dist Durg Pin 490024 (C.G.) have changed my old name HEMANT KUMAR S/O BALLURAM DEWANGAN So in future I should be recognized by my new name HEMANT DEWANGAN S/O BALLURAM DEWANGAN that is In all Government and other documents.

HEMANT DEWANGAN
VILLAGE JAMUL
DISTRICT DURG
PIN 490024

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र- 202208100700009//अ-06/वर्ष 2021-22

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दीपक कुमार शर्मा वगै पिता स्व. महावीर प्रसाद शर्मा निवासी ग्राम से.2 भिलाई दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम कुतलबोर्ड तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 142/18 (142/19) रकबा 0.025 हे. भूमि जो कि आवेदक/शामिलात सखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार प्रमिला शर्मा की मृत्यु हो जाने पर फौती दर्ज कर मृतक खातेदार के सभी विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 18/8/22 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 01/08/2022 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र- 20220510200086/अ-06/वर्ष 2021-22

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि चेतन चन्द्राकर पिता स्व. हल्लुराम निवासी कुथरेल मौजा कुथरेल प.ह.नं. 37 रा.नि.मं. ..... तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नंबर 77 रकबा 3.14 हे. को खाता विभाजन कर अलग अलग ऋण पुस्तिका प्रदान करने हेतु न्यायालय में आवेदन पेश किया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा/आपत्ति करना हो तो नियत पेशी दिनांक 16/8/22 अथवा प्रकाशन तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 05/08/2022 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — **नायब तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट	पक्षकार का नाम	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं.
	श्री अनिल कुमार देवधरे	202208100400089

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री अनिल कुमार देवधरे पिता स्व. बाबूराव देवधरे निवासी रिसाली भिलाई तहसील व जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम धनोरा प.ह.न. 39 तह. व जिला दुर्ग	765/14	0.014 हें 1470 वर्गफीट	आवासीय

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की कोई दावा/ आपत्ति हो तो प्रकरण उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 05/08/2022 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग, जिला दुर्ग**

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती शैल वर्मा पति स्व. विजय कुमार वर्मा साकिन भिलाई द्वारा ग्राम जुनवानी प.ह.नं. ... रा.नि.मं. दुर्ग तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 66/32 रकबा 0.030 हे. भू.रा...... रूपए से संबंधित ऋण पुस्तिका गुम हो जाने के कारण द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका प्रदान किए जाने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में लंबित है।

अतः उपरोक्त भूमि द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका प्रदाय किए जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 16/8/22 तक या उसके पुर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 1/8/22 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

पंजी. नं. 202207100400005

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका मंजू बांधे आ. रामकुमार बांधे निवासी कृष्ण नगर सुपेला द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम बोरसी प.ह.न. 19/23 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 57/273 रकबा 0.0122 हें/ 1320 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 01/07/2022 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट	पक्षकार का नाम	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं.
	श्री सूरज सोनी	202205100400339

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री सूरज सोनी पिता संतीश सोनी निवासी 5/5 नेहरू नगर पूर्व भिलाई तहसील व जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम पुलगांव प.ह.न. 25 तह. व जिला दुर्ग	168/7	0.020 हें 2178 वर्गफीट	वाणिज्यिक

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की कोई दावा/ आपत्ति हो तो प्रकरण उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 23/05/2022 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग, जिला दुर्ग**

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र- 202208103300025//अ-06/वर्ष 2021-22

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रमेश कटारे आ. स्व. रामाजी निवासी लुचकी पारा दुर्ग तह. व जिला दुर्ग द्वारा मौजा ग्राम उरला उरला प.ह.नं. 07 रा.नि.मं. सिकोला तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 781/1, 781/3, 781/4 रकबा 1.0060 हे. भूमि दर्ज है। उक्त भूमि का ऋण पुस्तिका की मूल प्रति गुम हो जाने के कारण उसके द्वितीय प्रति में ऋण पुस्तिका प्राप्त करने हेतु आवेदन इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 23/5/22 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 08/08/2022 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग के न्यायालय में मामला
मामले की श्रेणी-राजस्व
क्रमांकः सीजी 5106202082022033
कसारीडीह प.ह.न. 00056 हे.

ईश्तहार

तह. दुर्ग के प.ह.नं. 00056 के अंतर्गत ग्राम कसारीडीह के भूमिस्वामी भारती गुप्ता पिता/पति डा. स्व. विजय गुप्ता पता मकान नं. 103 भोईपारा कचहरी रोड आपापुरा तह व जिला दुर्ग के द्वारा धारित भूमि खसरा नं. 631/1 (0.0100) में नामांतरण/अभिलेख दुरूस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 25/8/22 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायानय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को उजर दावा हो सुनवाई तिथि के पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 05/08/2022 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2021-22

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेश कुमार श्रीवास्तव वगै. पिता वंशीलाल श्रीवास्तव निवासी ग्राम कायस्थपारा दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 680/1 (681/1) रकबा 0.794 हे. भूमि जो कि आवेदक एवं अन्य सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के कब्जा के आधार पर खाता विभाजन किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 23/8/22 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 03/08/2022 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र- 216//अ-20(3)/ वर्ष 2021 - 22

आवेदक श्याम सुंदर राठी आ. स्व. चम्पालाल राठी निवासी पद्मनाभपुर दुर्ग द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि दुर्ग स्थित नजूल भूमि शीट क्र 45 बी भूखण्ड क्र. 13/5 क्षेत्रफल 15.79 वर्गमीटर भूमि धारक संजय कुमार राठी आ. श्यामसुंदर राठी नि. पद्मनाभपुर दुर्ग के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। धारक संजय कुमार राठी द्वारा उक्त भूखण्ड को अपने पिता आवेदक के पक्ष में पंजीकृत दानपत्र दिनांक 15/7/2022 को निष्पादित किया है। आवेदक द्वारा उक्त पंजीकृत दानपत्र के आधार पर प्रश्नाधीन भूखण्ड से दानदाता धारक का नाम विलोपित कर स्वयं का नाम नजूल अभिलेख में दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव् एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को आपत्तिया दावा हो प्रकरण की सुनवाई 31/8/22 या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या जिस भूखण्ड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावं। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कार्यवाही नही किया जावेगा।

आज दिनांक 03/08/2022 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर — **नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र- 215//अ-20(3)/ वर्ष 2021 - 22

आवेदक श्याम सुंदर राठी आ. स्व. चम्पालाल राठी निवासी पद्मनाभपुर दुर्ग द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि दुर्ग स्थित नजूल भूमि शीट क्र 45 बी भूखण्ड क्र. 13/3 क्षेत्रफल 107.73 वर्गमीटर भूमि धारक नवीन कुमार आ. श्यामसुंदर राठी नि. पद्मनाभपुर दुर्ग के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। धारक नवीन कुमार द्वारा उक्त भूखण्ड को अपने पिता आवेदक के पक्ष में पंजीकृत दानपत्र दिनांक 15/7/2022 को निष्पादित किया है। आवेदक द्वारा उक्त पंजीकृत दानपत्र के आधार पर प्रश्नाधीन भूखण्ड से दानदाता धारक का नाम विलोपित कर स्वयं का नाम नजूल अभिलेख में दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव् एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को आपत्तिया दावा हो प्रकरण की सुनवाई 31/8/22 या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या जिस भूखण्ड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावं। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कार्यवाही नही किया जावेगा।

आज दिनांक 03/08/2022 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर — **नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक विमल कुमार साहू आ. मंथीर लाल साहू साकिन अरसनारा द्वारा ग्राम अरसनारा प.ह.नं. 15 रा.नि.मं. दुर्ग तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 803 रकबा 30700 हे. भू.रा...... रूपए से संबंधित ऋण पुस्तिका अप्राप्त होने के कारण द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका प्रदान किए जाने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में लंबित है।

अतः उपरोक्त भूमि द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका प्रदाय किए जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 28/8/22 तक या उसके पुर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 8/8/22 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक गणेश यादव आ. स्व. गंगाराम यादव साकिन सिलोदा द्वारा ग्राम सिलोदा प.ह.न. 5 रा.नि.मं. दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 108/1, 146 रकबा 0.71, 0.53 हे. जो उसके स्व. पार्वती यादव/ध.प. स्व. गंगाराम यादव के नाम पर दर्ज है की फौती दर्ज किए जाने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उपरोक्त भूमि को आवेदक के नाम पर नामांतरण किए जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 29/8/22 तक या उसके पुर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 12/8/22 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक गणेशिया बाई आ. मंगलराम साकिन करंजा भिलाई द्वारा ग्राम करंजा भिलाई प.ह.न. ... रा.नि.मं. दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 1115/5 रकबा 0.11 हे. भूमि पर ऑन लाईन नक्शा कब्जानुसार नक्शा त्रुटिपूर्ण होने से सुधार करने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उपरोक्त भूमि नक्शा सुधार किए जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 22/8/22 तक या उसके पुर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 5/8/22 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक अंकुर आ. जगदीश अग्रवाल साकिन से.6 भिलाई द्वारा ग्राम जेवरा प.ह.न. ... रा.नि.मं. दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 722/6 रकबा 0.020 हे. पर पंजीकृत बैनामा के आधार पर आवेदक का नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज करने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उपरोक्त भूमि पर आवेदक का नाम दर्ज करने किए जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 22/8/22 तक या उसके पुर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 5/8/22 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)**

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मैं हेमंत कुमार पिता बल्लूराम देवांगन निवासी ग्राम जामुल जिला दुर्ग पिन –490024(छ. ग.) यह शपथ करता हूं कि मैंने अपना पुराना नाम को त्याग कर नया नाम हेमंत देवांगन पिता बल्लूराम देवांगन रख लिया हु।अतः आज से मुझे समस्त शासकीय,अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेज में मेरे नए नाम हेमंत देवांगन पिता बल्लूराम देवांगन के नाम से ही जाना पहचाना जावे ।

मुहर — **हेमंत देवांगन**
ग्राम जामुल
जिला दुर्ग
पिन —490024

पुलिस, शिक्षक व फ्रंटलाइन हेल्थ वर्करों को एबीवीपी ने बांधे रक्षासूत्र

बेरला/नवप्रदेश। विकासखंड क्षेत्र में छात्र हित, राष्ट्र हित व समाज हित के बीच काम करने वाले अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई बेरला के द्वारा रक्षाबंधन का पर्व उत्सवपूर्वक मनाया गया। ब्लॉक के अंतर्गत कार्यरत कर्मियों को संदेश भेज कर रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाने कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस मौके पर सदैव ड्यूटी में निस्वार्थ भाव से सेवा कर रहे पुलिसकर्मी, हॉस्पिटल एवं महाविद्यालय के कर्मचारियों को तत्पर रहने का आग्रह करते हुए विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं बहनों के द्वारा रक्षा सूत्र बांधा गया। इस अवसर पर विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता नगर मंत्री किशन, नगर सहमंत्री शैलेन्द व निखिल गायकवाड, सोशल मिडिया प्रमुख मुकेश भोई, आदित्य, ईश्वर निषाद नगर के छात्रा कार्यकर्ता चंचल चौबे, उर्वशी साहू, सोनम वर्मा, झरना साहू एवं अन्य महाविद्यालय के विद्यार्थी शामिल रहे।

बहनों ने बांधी रक्षा सूत्र

खरोरा/नवप्रदेश। श्रावण मास के अंतिम तिथि में श्रावणी पूर्णिमा को राखी का त्यौहार गुरुवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रक्षाबंधन पर्व भाई बहन के प्यार का प्रतीक है। बहन-भाई के इस पवित्र त्यौहार के दिन बहन अपने भाई को प्यार के डोर के रुप में राखी बांधी। यह त्यौहार प्यार का अटूट बंधन को दर्शाता है। रक्षाबंधन का अर्थ ही है रक्षा के लिये बंधन बांधा गया। इसलिये बहन अपनी हर प्रकार से रक्षा के लिये अपने भाई के कलाई पर राखी बांधती है। राखी बंधवाने के बाद भाई अपनी बहन को प्यार से तोहफा के रुप में यथाशक्ति पैसे या वस्त्र भेंट किया तथा बहन का सदैव रक्षा करने का वचन दिया। रक्षाबंधन की शुरुआत राक्षस राजा बलि को मां लक्ष्मी ने राखी बॉधकर रक्षाबंधन की शुरुआत हुई।

रक्षाबंधन का त्यौहार धूमधाम से मनाया

खरोरा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज कोरासी परिक्षेत्र जिला रायपुर का नवनिर्वाचित सदस्यों का गठन रविवार को ग्राम भैंसा में आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न पदों के लिए मुख्य अतिथि व समाज के पदाधिकारियों की उपस्थिति में बैठक व सामाजिक चर्चा उपरांत सदस्यों का चयन किया गया जिसमें अध्यक्ष दयाराम यादव भैंसमुड़ी, उपाध्यक्ष अकतू यादव भटिया, सचिव उमेंद्र यादव तुलसी, सह सचिव पवन यादव भैंसमुड़ी, कोषाध्यक्ष अशोक यादव कोसरंगी, सलाहकार विशाल यादव भंडारपुरी, संचालक भुनेश्वर यादव परसदा, सह संचालक कुमार यादव असोंदा, संरक्षक गोपाल यादव भैंसा, प्रवक्ता पीला राम यादव करमा, संगठन मंत्री उमेंद यादव चोरभट्ठी, प्रचार मंत्री घनश्याम प्रसाद यादव संगठन में प्रमुख पर दिए गए।

फोक, आगर व सकरी नदी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फंसे 50 ग्रामीणों को निकाला सुरक्षित

■ कलेक्टर ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया, कलेक्टर की मौजूदगी में बाढ़ आपदा एवं राहत प्रबंधन के कार्य जारी रहा

कवर्धा/नवप्रदेश। मानसून सक्रिय होने से पिछले 36 घंटो से हो रही लगातार बारिश से जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित है। जिले के कवर्धा, बोड़ला, सहसपुर लोहारा और पंडरिया विकासखण्ड के वनांचल क्षेत्रों सहित नदी-नाले ऊफान पर होने से किनारें बसे गांवों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने सभी एसडीएम, तहसीलदार, पुलिस और जिला सेनानी के जवानों को बाढ़ की स्थिति से निपटने सतत मॉनिटरिंग के निर्देश दिए हैं। जरूरत के आधार पर राहत दल द्वारा बाढ़ प्रभावितों को राहत पहुंचाई जा रही है।

कलेक्टर महोबे जिले में लगातार हो रही बारिश की स्थिति को देखने स्वयं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मोटर सायकल से पहुंचे और राहत कार्य का जायता लिया। उन्होंने बताया कि जिले के प्रमुख नदी सकरी, आगर, और फोक नदीं में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। इन नदी के किनारे वाले सभी गांवों तथा अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन की टीम में मुनादी करा कर लोगों को चिन्हांकित राहत शिविरों तथा उनके प्रभावितों के जान-पहचान वाले घर व रिश्तेदारों के घर जनसहायोग से ठहराने का काम किया जा रहा है। फोक और आगर नदी के किनारे वाले गांव खैरवार और सैइयामालगी के आसपास के बाढ़ क्षेत्रों से लगभग 40 लोगों को प्रशासनिक अधिकारियो और जनसहयोग से सुरक्षित निकाला गया है और राहत शिविर व अन्य सुरक्षित स्थानों में ठहरने की व्यवस्था बनाई गई है।

कवर्धा विकासखण्ड के सरहदी क्षेत्र है, इस नदी के दूसरे छोर में पंडरिया विकासखण्ड प्रारंभ हो जाता है। फोक नदी के बाढ़ में खैरवार के 11 लोग एक रात के फंसे हुए थे। राहत एवं बचाव दल द्वारा चार पुरूष, तीन महिला और चार बच्चे और उनके कुछ मेवशी को सुरक्षित निकाला गया है। इसी प्रकार ग्राम बानों में 19 लोग बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने का कार्य जारी है। पंडरिया विकासखण्ड के ग्राम सैइयामालगी में बाढ़ से फंसे 30 लोगों को सुरक्षित निकाल कर उनके जान-पहचान व रिश्तेदारों के यहां ठहराया गया है। ग्राम रबेली में तीन परिवारों को सुरक्षित निकाला गया है।

साथ ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सभी शासकीय भवनों, मंगल भवनों में राहत शिविर बनाया गया है। जरूरत के आधार पर सभी राहत शिविरो में राशन, खाने पीने के समान, बिजली अथवा प्रकाश की व्यवस्था करने के निर्देश दिए है।

झलमला-सोनवाही मार्ग में पेड़ गिरने से आवागमन बाधित

कवर्धा। बोड़ला विकासखंड के चिल्पी-रेंगाखार को जोड़ने वाली सड़क में ग्राम झलमला व सोनवाही के बीच वर्षों पुराना पीपल का पेड़ गिर जाने से मार्ग पूरी तरह से बाधित हो गया है। इस मार्ग पर चलने वाली बसें प्रभावित हो हुई हैं। पेड़ सड़क के बीचोबीच में गिरने के कारण यात्रियों को एवं मोटरसाइकिल सवारों को जंगलों से होकर आना जाना पड़ रहा है। बाइक सवार व पैदल लोगों का जंगल के भीतर से पैदल व बाइक को निकालकर सड़क पर लेकर आ रहे हैं। पेड़ गिरने से हजारों लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। विभाग को सूचित किया गया है लेकिन अभी तक सड़क से पेड़ को हटाया नहीं गया है। लोगों को आवाजाही में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

भाजपा पार्षद ने राष्ट्रीय ध्वज उल्टा पकड़ कर किया तिरंगे का अपमान

◗ तिरंगे के सम्मान में असफल भाजपा कर रही ओछी राजनीति

राजनांदगांव/नवप्रदेश। भाजपा पार्षद पर राष्ट्रीय ध्वज के अपमान पर एफआईआर करने की मांग कांग्रेस के स्थानीय कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर से मिले। धार्मिक कावड़ यात्रा में उल्टा तिरंगा लेकर घूमने के मामले पर फोटो व वीडियो के साथ शिकायत कर एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है।

8 अगस्त 2022 सोमवार को बागेश्वर मंदिर धमार्थ ट्रस्ट राजनांदगांव द्वारा आयोजित कांवड़ यात्रा जिसमें प्रातः 8 बजे महापौर श्रीमती हेमा सुदेश देशमुख अतिथि के रूप में आमंत्रित कि गई थी। आयोजन में शामिल सभी धर्म प्रेमियों को प्लास्टिक पाईप युक्त छोटे झंडे वितरित किये गए थे। महापौर श्रीमती देशमुख एक हाथ में कावड़ रखी हुयी चल रही थी। इसी बीच महापौर के हाथ में एक ऐसा झंडा पूर्व में निर्मित था, जो उल्टा था, भक्ति में लीन होने के कारण भीड वातावरण में बिना देखे रख लिया गया। जिस पर भाजपा के प्रमुख पदाधिकारीगण महापौर श्रीमती हेमा देशमुख के खिलाफ राष्ट्रीय ध्वज उल्टा पकड़ने पर एफआईआर दर्ज करने के लिये दबाव बनाने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया है।

आयोजन समिति बागेश्वर मंदिर धमार्थ ट्रस्ट राजनांदगांव द्वारा गलती के लिए क्षमा याचना लिखित में दिया जा चुका है और महापौर द्वारा भी आयोजन समिति द्वारा की गयी मानवीय त्रुटी हेतु स्वयं भी खेद भी व्यक्त कर चुकी है। उसके बाद भी धार्मिक आयोजन की त्रुटी को भाजपा द्वारा राजनैतिक दिया जाना गलत है।ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष पदम सिंह कोठारी, खादी ग्रामोद्योग के सदस्य श्रीकिशन खंडेलवाल, गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष मन्ना यादव, अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य हफीज खान, निगम अध्यक्ष पप्पू धकेता, पूर्व निगम अध्यक्ष रमेश डाकलिया, डा. आफताब आलम, प्रवक्ता रूपेश दुबे, कुतबुद्दीन सोलंकी, पंकज बांधव, मोती साहू, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आमर झा, हर्ष साहू, बबलू सोनी, अरशद खान, प्रतीक अग्रवाल, दिव्यांश चौरसिया, सत्यम सिंह, सादाब अली सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

घटना को जोड़ना भाजपा की ओछी राजनीति है। धमतरी में भाजपा द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा में वहा के जिलाध्यक्ष द्वारा उल्टा झंडा लेकर चलना निश्चित रूप से ध्वज का अपमान है, क्योंकि वह राजनीतिक दल भाजपा के आयोजन की घटना है। अपने इस दुस्कृत्य की छिपाने भाजपा धार्मिक आयोजन की आड़ ले रही है।

कांग्रेस के नेताओ ने एक स्वर में कहा भाजपा युवा मोर्चा द्वारा गृह मंत्री का पुतला दहन कर आजादी के अमृत महोत्सव में जहर घोलने का काम कर रही है। तिरंगा के सम्मान आयोजन में विफल भाजपा तिरंगा को राजनीति का हथकंडा बना कर अपमान कर रही है।

उत्साह के साथ मनाया रक्षाबंधन

नवागढ़/नवप्रदेश। भाई बहन के अटूट स्नेह का पर्व रक्षाबंधन गुरुवार को पूरे नवागढ़ सहित ग्रामीण अंचल में हर्ष उल्लास और परंपरा पूर्वक मनाया गया। हर वर्ष की तरह सावन पूर्णिमा की तिथि पर बहनों ने रक्षा सूत्र से भाइयों की कलाइयां सजाई। रेशम की डोरी के धागे भले ही कच्चे हो लेकिन इसके पीछे का स्नेह अटूट और बेहद मजबूत होता है। बहन-भाई के प्यार का प्रतिक इस त्योहार को लेकर घर-घर में व्यापक तैयारियां की गई थी। गुरुवार की सुबह लोग स्नान कर देवी देवताओं की पूजा अर्चना किया। इसके उपरांत बहनों ने भाइयों की कलाई में रक्षा सुत बांधकर जन्म जन्म तक सुख-दुःख में साथ निभाने का वचन भाईयों से लिया। वहीं भाईयों ने भी बहनों को उपहार देकर हमेशा साथ निभाने का वादा किया। इस दौरान मुंह मीठा करने का दौर भी जारी रहा। घर के बूढें-बुजुर्गो का पैर छुकर आशिर्वाद लिया। दोपहर में अधिकांश बहनों ने भाई की कलाई पर राखी सजाई और उपहार पाकर अपनों के साथ खुशियां मनाई सुबह से शुरू हुआ। इन्हीं भावनाओं के साथ सुबह से ही तैयारी कर रही बहनों ने भाइयों के हाथों में राखियां बांधी।

महात्मा गांधी के छायाचित्र में माल्यार्पण के बाद गौरव यात्रा की हुई शुरूआत

◗ गांवों में कांग्रेस की गौरव यात्रा का ग्रामीणों ने किया जगह-जगह स्वागत

महासमुंद/नवप्रदेश। भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ महोत्सव के अवसर पर आयोजित विधानसभा स्तरीय गौरव यात्रा के तहत आज शुक्रवार को ग्राम पंचायत झालखम्हरिया से पदयात्रा की शुरूआत हुई। संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर के नेतृत्व में निकली पदयात्रा के दौरान कांग्रेसजनों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वहीं गौरव यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। ग्राम पंचायत झालखम्हरिया में कांग्रेसजन एकत्र हुए। बाद इसके संसदीय सचिव व विधायक श्री चंद्राकर ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर गौरव यात्रा की शुरूआत की। संसदीय सचिव श्री चंद्राकर की अगुवाई में कांग्रेसजनों ने गांव में पदयात्रा कर ग्रामीणों से चर्चा की। संसदीय सचिव श्री चंद्राकर ने कहा कि देष को आजाद कराने में कांग्रेस के नेताओं का बड़ा योगदान है। इसके लिए कांग्रेस के कई नेताओं ने अपनी जान भी दे दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के द्वारा पूरे देश में भारत जोड़ो यात्रा का आगाज हीरक महोत्सव आजादी के 75 वें वर्ष पर लोगों के बीच में सद्भावना एवं भाईचारा को बढ़ावा देने का कार्य किया जा रहा है। वहीं कुछ विघटनकारी शक्तियों से हमें लड़ना है एवं ऐसे लोगों से डटकर मुकाबला करना होगा। भारत की एकता और अखंडता को मजबूत करने का काम हम सबको मिलकर करना है। झालखम्हरिया से पदयात्रा सिरगिड़ी, कोसरंगी, खट्टी, लभराकला, परसदा ख, केषवा होते बोरियाझर में समाप्त हुई। गौरव यात्रा में प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष रश्मि चंद्राकर, जनपद अध्यक्ष यतेंद्र साहू, कृषि उपज मंडी अध्यक्ष हीरा बंजारे, ब्लॉक अध्यक्ष ढेलू निषाद, खिलावन बघेल, खिलावन साहू, राजेंद्र चंद्राकर, जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री संजय शर्मा, विजय साव, आरिन चंद्राकर, हुलासगिरी गोस्वामी, जनपद सदस्य प्रतिनिधि सचिन गायकवाड़, देवेंद्र चंद्राकर, ममता चंद्राकर, नितेंद्र बेनर्जी, गिरजाशंकर चंद्राकर, यदुनाथ पांडे, ब्रजेन हीरा बंजारे, दिलीप चंद्राकर, गोविंद साहू, डागा राम साहू, शेखर चंद्राकर, चमन सिन्हा, रविसिंह ठाकुर, रेखराज पटेल, उमेश रावल, रहीम खान, जीवन यादव, परमेश्वर साहू, हरिकृष्ण भार्गव, सुभाष शर्मा, रेखराज पटेल, विनोद चंद्राकर, लीलू साहू, नरेश सारथी, लक्ष्मी सोनी, मोती राम साहू, हितेश साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।

आज आठ गांवों में पहुंचेगी गौरव यात्रा

आज 13 अगस्त को गौरव यात्रा के तहत कांग्रेसजन विधानसभा के 8 गांवों में भ्रमण करेंगे। गौरव यात्रा के विधानसभा प्रभारी विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने बताया कि 13 अगस्त की सुबह 11 बजे ग्राम पंचायत शेर से यात्रा की शुरूआत होगी। बाद इसके कनेकेरा, मुरकी, धनसुली, मोरधा, बकमा, मोंगरा होते लभराखुर्द में समाप्त होगी।

देवरी में मनाया गया वजन त्यौहार एवं अन्नप्राशन संस्कार

खरोरा/नवप्रदेश। महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना आरंग के अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरी के आंगनबाड़ी केंद्र में वजन त्यौहार एवं अन्नप्राशन का कार्यक्रम बहुत ही उत्साह के साथ मनाया गया

आंगनबाड़ी में दर्ज कुल 37 बच्चे आ रहे है। 0 से 6 वर्ष तक के 115 बच्चों का वजन किया गया और 4 बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया। वजन त्यौहार का कार्यक्रम शासन के निर्देशानुसार बच्चों में कुपोषण को दूर करने के लिए पोषण के प्रति जागरूकता लाने के लिए मनाया जा रहा है बच्चों में उम्र एवं ऊंचाई के मापदंड के आधार पर एक निश्चित वजन होना चाहिए जो केवल पोषण से संभव है बच्चों को मां का दूध पोषण के लिए बहुत ही आवश्यक है।

छह माह के उम्र के बाद बच्चों को बाहरी भोजन के रूप में पोषण प्रदान करने से बच्चों में शारीरिक एवं बौद्धिक विकास के लिए आवश्यक है सुपरवाइजर अंजू एक्का ने जानकारी दी महिला एवं बाल विकास विभाग सभापति जिला पंचायत सदस्य केसरी मोहन साहू जी ने कहा कि नवजात शिशुओं में शारीरिक विकास के लिए माता का दूध अमृत तुल्य होता है इसे अवश्य पिलाना चाहिए और पोषण के लिए बच्चों में संपूर्ण विकास हेतु प्रोटीन युक्त आहार पूर्ण शासन द्वारा प्रदाय रेडी टू ईट खाद्य में समाहित होता है इसे सभी बच्चों एवं गर्भवती एवं शिशु वती हितग्राही माताओं को सेवन कराना चाहिए जिससे कुपोषण दूर होता है ग्राम पंचायत द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र के सभी बच्चों को पानी बाटल देकर प्रोत्साहित किया गया और अतिथियों के द्वारा वृक्षारोपण कर कार्यक्रम को उत्साह के साथ संपन्न किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती केसरी मोहन साहू सभापति महिला बाल विकास विभाग जिला पंचायत रायपुर ,श्रीमती उषा देवी साहू सरपंच ग्राम पंचायत देवरी,श्री दिनेश कुमार चंद्राकर उप सरपंच ग्राम पंचायत देवरी श्री बी.आर.साहू सेवानिवृत्त शिक्षक जितेंद्र कुमार निर्मलकर ,इंद्राणी साहू, ललिता साहू ,पुष्पा साहू, पूर्णिमा साहू, (पंच गण,) अन्नू एक्का पर्यवेक्षक म.बा.वी. श्रीमती जानी चंद्राकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, तुलाराम पाल, विष्णु साहू (शिक्षक गण) शिव कुमार साहू सचिव श्री सत्यार्थ प्रकाश सरपंच प्रतिनिधि, दिनेश कुमार, निषाद रोजगार सहायक, श्रीमती कादंबरी, गीता धुव आंगनबाड़ी केंद्र घोट, सेवती सहायिका, ग्रामवासी उपस्थित थे।

किसानों को मंडी में धान का अच्छा मिल रहा : शर्मा

भाटापारा/नवप्रदेश। कृषि ऊपज मंडी में नवनियुक्त अध्यक्ष सुशील शर्मा के कार्यकाल में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कृषि मंत्री रविंद्र चौबे, खनिज विकास निगम अध्यक्ष गिरीश देवांगन के मंशानुरूप निरंतर किसान हित में कार्य किया जा रहा है जिसमें नई कृषि ऊपज मंडी का निर्माण हेतु जिलाधीश रजत बंसल ने ग्राम देवरी में लगभग 20 एकड़ जमीन को मंडी को बनाने के लिये अपनी स्वीकृति दी है। उक्त जमीन का नक्शा और खसरा मंडी को उपलब्ध भी हो चुका है। अग्रिम कार्यवाही जारी है। मंडी अध्यक्ष ने बताया कि कि सभी व्यापारी, अभिकर्ता, हमला और कर्मचारी सहित मंडी के उपाध्यक्ष, सदस्यों के सहयोग से सदेव यहीं प्रायस रहेगा की कृषि मंडी निरंतर विकास की नई कीर्तिमान स्थापित करें।

75 Azadi Ka Amrit Mahotsav

Online Registration through https://joinindiancoastguard.cdac.in is available from 17 Aug 22 (1100 HRS) to 07 SEP 22 (1730 HRS).

Note : 1. For detailed advertisement and procedure to fill online application please visit https://joinindiancoastguard.cdac.in
2. Please read the instructions given in the website carefully before submitting your online application form. This is an indicative Advertisement only.

Disclaimer. Information published in various News Papers is for guidelines only. In case of any ambiguity regarding eligibility criteria, date, time of examination and other procedures, the contents given in the Coast Guard recruitment website https://joinindiancoastguard.cdac.in will be final.

scan this QR Code to apply Online

CAUTION : SELECTION IN COAST GUARD IS FAIR AND ON MERIT ONLY. CANDIDATE SHOULD NOT FALL PREY TO UNSCRUPULOUS PERSONS POSING AS RECRUITMENT AGENTS. FOR COMPLAINT AGAINST SUCH PERSONS, CANDIDATE MUST APPROACH THE DIRECTORATE OF RECRUITMENT, COAST GUARD HEADQUARTERS, NOIDA ON TELEPHONE: 0120-2201340 AND EMAIL ID: dte-rectofficer@indiancoastguard.nic.in

cbc-10119/11/0007/2223

रमाशंकर मिश्रा ने लिया आरपीएफ थाना का चार्ज

भाटापारा/नवप्रदेश। आरपीएफ के नए थाना प्रभारी के रूप में रमा शंकर मिश्रा ने मंगलवार को आकर कार्यभार ग्रहण कर लिया है। रमा शंकर मिश्रा कटनी आरपीएफ में पदस्थ थे। उपनिरीक्षक से निरीक्षक प्रमोट होने के बाद में भाटापारा आकर मंगलवार को अपना कार्यभार ग्रहण किया। इसके बाद उन्होंने चर्चा में कहा कि पूरे रेलवे क्षेत्र में सतत निगरानी बढ़ाई जाएगी और रेल यात्रियों और रेल सामग्री को सुरक्षा मिले उसका पूरा ख्याल रखा जाएगा।

सांसद साव को बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष बनने पर चंद्रप्रकाश ने दी बधाई

भाटापारा/नवप्रदेश। बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद अरूण साव को छत्तीसगढ़ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने पर जनपद सदस्य चंदप्रकाश साहू ने शुभकामनाएं प्रेषित की है। उन्होंने कहा कि नवनियुक्त ऊर्जावान प्रदेशाध्यक्ष अरुण साव की सक्रियता का लाभ निश्चित रूप से पार्टी को मिलेगा व प्रदेश में आगामी 2023 के विधानसभा चुनाव में विजय श्री प्राप्त होगी। इस निर्णय के लिए चंदप्रकाश साहू ने राष्ट्रीय व प्रदेश नेतृत्व को हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक बड़ा बदलाव है जो 2023 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश में भाजपा सरकार स्थापित होने कारगार सिध्द होगा।

मुख्यमंत्री आज बालोद, कांकेर जिले में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे

40 करोड़ 05 लाख के 126 विकास कार्यों का करेंगे भूमिपूजन एवं लोकार्पण

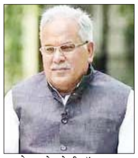

रायपुर/नवप्रदेश। सीएम भूपेश बघेल आज 13 अगस्त को बालोद और कांकेर जिले में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 12.30 बजे रायपुर पुलिस ग्राउण्ड हेलीपेड से हेलीकॉप्टर द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 12.55 बजे बालोद जिले की तहसील गुरूर के 14वीं बटालियन मैदान धनोरा पहुंचेंगे और गुरूर के हाई स्कूल ग्राउंड कोलिहामार में विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 2.20 बजे धनोरा से हेलीकॉप्टर द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 2.35 बजे कांकेर जिले के चारामा के शासकीय गैंदसिंह महाविद्यालय के खेल मैदान जैसाकर्रा पहुंचेंगे और वहां दरगहन चौक में वीर बिरसा मुण्डा के प्रतिमा का अनावरण और माल्यार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 2.55 बजे मिनी स्टेडियम में आयोजित विश्व आदिवासी दिवस एवं सामाजिक समरसता सम्मेलन में आमसभा को संबोधित करेंगे और यहां विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री शाम 4.05 बजे शासकीय गैंदसिंह महाविद्यालय जैसाकर्रा चारामा से हेलीकॉप्टर द्वारा प्रस्थान कर 4.35 बजे पुलिस ग्राउण्ड हेलीपेड रायपुर आएंगे। वहीं सीएम अपने निवास में शाम 5.30 बजे 'हमर तिरंगा अभियान' के अंतर्गत शहीद जवानों के परिवारजनों का सम्मान समारोह में शामिल होंगे।

कांकेर में इन विकास कार्यो का करेंगे लोकार्पण

मुख्यमंत्री कांकेर जिले अंतर्गत शासकीय गेंद सिंह महाविद्यालय खेल मैदान जैसाकर्रा चारामा पहुंचेंगे और वहां दरगहन चौक में वीर बिरसामुण्डा के प्रतिमा का अनावरण करेंगे। वे इसके पश्चात मिनी स्टेडियम में आयोजित विश्व आदिवासी दिवस एवं सामाजिक समरसता सम्मेलन में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री वहां आमसभा में आयोजित कार्यक्रम में 126 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री द्वारा 18 करोड़ 13 लाख रूपये के 98 कार्यों का भूमिपूजन तथा 21 करोड़ 92 लाख रूपये के 28 कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा।

14 को मुख्यमंत्री वसुंधरा सम्मान प्रदान करेंगे लीलाधर मंडलोई को

रायपुर/नवप्रदेश। वसुंधरा सम्मान रविवार 14 अगस्त को दोपहर 12 बजे से मुख्यमंत्री निवास रायपुर वसुंधरा सम्मान रविवार 14 अगस्त को दोपहर 12 बजे से मुख्यमंत्री निवास रायपुर में आयोजित होगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सुविख्यात कवि, लेखक, संपादक लीलाधर मंडलोई को 22वां वसुंधरा सम्मान प्रदान करेंगे। वसुंधरा सम्मान महात्मा गांधी की परिकल्पना के विनम्र ग्राम सेवक कीर्ति शेष श्री देवीप्रसाद चौबे की स्मृति में प्रदत्त किया जाता है। संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से लोकजागरण की मासिक पत्रिका कृति वसुंधरा एवं चतुर्भुज मेमोरियल फउंडेशन का यह निरंतर 22वां आयोजन है। वसुंधरा सम्मान के संयोजक विनोद मिश्र, आयोजन समिति अध्यक्ष अरुण श्रीवास्तव, सचिव मुमताज ने बताया कि स्वर्गीय देवीप्रसाद चौबे की 46 वीं पुण्यतिथि पर आयोजित समारोह को देश के सुप्रसिद्ध लेखक एवं पत्रकार विष्णु नागर 'पत्रकारिता की परम्परा एवं वर्तमान परिदृश्य' विषय पर समारोह को संबोधित करेंगे। समारोह की अध्यक्षता संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत करेंगे। समारोह में कला, साहित्य एवं संस्कृति की मासिक पत्रिका कृति बहुमत तथा लोकजागरण की मासिक पत्रिका कृति वसुंधरा के अगस्त अंक का लोकार्पण भी होगा। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से चुनिंदा लेखक, पत्रकार एवं सम्पादक समारोह में उपस्थित रहेंगे।

रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास से मनाया

भाटापारा/नवप्रदेश। भाई बहन के पवित्र रिश्ते का त्यौहार रक्षाबंधन परंपरागत हर्षोल्लास से मनाया गया इस अवसर पर बहनो ने भाईयों की कलाई में रेशम का धागा बांध कर अपना स्नेह दिया। गुरूवार को भद्रा होने के कारण कई लोगों ने शुभ मुहूर्त के अनुसार रात 8.51 बजे से रक्षा सूत्र बहनो ने भाईयों के कलाई पर बांधी तो कई लोगों ने सुबह से 10 बजे के बाद से राखी बांधी। राखी बांधने से पहले बहनों ने भाईयों का मुंह मीठा किर तिलक लगाया। भाईयों ने बहनों की रक्षा का संकल्प लिया। शहर से लेकर ग्रामीण अंचल में मिठाई की दुकाने सज गई थी, बहनों ने मिठाई और राखी की दुकान पर खरीदारी जमकर की। हिंदू पौराणिक कथा अनुसार महाभारत में गलती से सुदर्शन चक्र से भगवान श्री कृष्ण की उंगली कट गई थी यह देख राजकुमारी द्रोपदी ने उंगली से बहते खून को रोकने के लिये कपडे का एक टुकडा बांध दिया।

स्टेशन में आरपीएफ ने किया फ्लैगमार्च

भाटापारा/नवप्रदेश। आजादी का पर्व स्वतंत्रता दिवस को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर एएन सिन्हा, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रेसुब बिलासपुर तथा संजय गुप्ता, मण्डल सुरक्षा आयुक्त रेसुब रायपुर के निर्देशन में निरीक्षक आर. एस. मिश्रा, रेसुब पोस्ट भाटापारा एवं सहायक उप निरीक्षक जी. एस. पैंकरा शासकीय रेलवे पुलिस भाटापारा के नेतृत्व में अधिकारी व जवानों के द्वारा रेलवे परिक्षेत्र, प्लेटफार्म एवं सरकुलेटिंग एरिया में फ्लेग मार्च किया गया। आरपीएफ प्रभारी श्री मिश्रा ने बताया कि आपराधिक गतिविधिओं पर नजर हमेशा बने रहेगी किसी भी सूरत में यात्री, रेलवे स्टेशन, रेल्वें सामग्री की सुरक्षा व्यवस्था में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी।

कल स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन

राजनांदगांव/नवप्रदेश। शासन के निर्देशानुसार खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पूर्व 14 अगस्त 2022 स्तवंत्रता दौड़ का आयोजन किया जा रहा है। स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन 14 अगस्त को प्रातः 7 बजे से आत्मानंद हा.से. स्कूल (सर्वेश्वर दास नगर पालिक निगम उ.मा. शाला) से प्रारंभ होकर गुरुनानक चौक, फौव्वारा चौक, मानव मंदिर चौक, जय स्तंभ चौक से इमाम चौक जीई रोड़ होते हुए आत्मानंद हा.से. (सर्वेश्वर दास नगर पालिक निगम उ.मा. शाला) स्कूल मैदान में दौड़ का समापन किया जावेगा।

विधायक ने की तत्काल शिक्षक की व्यवस्था

जोशी लमती मिडिल स्कूल में अध्यापकों की कमी का मामला सुलझा

राजनांदगांव/नवप्रदेश। खुज्जी विधानसभा ब्लाक मुख्यालय छुरिया से तकरीबन बीस किलोमीटर दूर ग्राम जोशीलमती के मिडिल स्कूल में अध्यापक की कमी के चलते लगातार बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। इस समस्या से छात्र-छात्राओं के पालकगण परेशान थे और उनके द्वारा निरंतर मिडिल स्कूल में शिक्षक की मांग की जा रही थी, लेकिन यह बात क्षेत्रीय विधायक तक नहीं पहुंची थी। किसी भी व्यक्ति के लिए शिक्षा बचपन का पहला अधिकार है जो हर हाल में पूरा होना ही चाहिए। इसी समस्या को लेकर आज गाँव के ग्रामीण प्रतिनिधि मंडल के सदस्य ग्राम पटेल तामेश्वर साहू, मिडिल स्कूल शाला विकास समिति के अध्यक्ष चंद्रकांत साहू, राजेश साहू पंच, भागवत साहू, ग्रामीण समिति अध्यक्ष राधेलाल राजपूत, द्वारिका साहू, मनीराम स्याम, धनीराम स्याम ग्रामीण सचिव, विवेकानंद साहू, प्रकाश साहू ने खुज्जी विधायक श्रीमती छन्नी चंदू साहू से मुलाकात कर समस्या से अवगत कराया।

ग्रामीणों ने बताया कि मिडिल स्कूल में बच्चों की संख्या के हिसाब से अध्यापक की कमी को पुरे विस्तार से बताते हुए पालकों की नराजगी के बारे में बताया। इस गंभीर विषय को तत्काल संज्ञान में लेते हुए विधायक श्रीमती छन्नी चंदू साहू ने बच्चों की शिक्षा और भविष्य को देखते हुए छुरिया विकासखंड शिक्षा अधिकारी से बातचीत कर के जोशीलमती मिडिल स्कूल में अध्यापकों की कमी की जानकारी ली जिस पर स्टाफ की कमी को सहीं पाया गया। ब्लाक शिक्षा अधिकारी ने अध्यापन व्यवस्था को दुरुस्त करने हेतु जोशीलमती मिडिल स्कूल में शिक्षक की तत्काल व्यवस्था की बात कही।

आजादी को अक्षुण्ण बनाये रखने संकल्प लें : लक्ष्मी

खरोरा/नवप्रदेश। ग्राम मोहदी संकुल अडसेना में शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला प्रबंधन एवं विकास समिति की संयुक्त बैठक हुई। इस अवसर पर पदेन सचिव प्रधानपाठक लक्ष्मीनारायण साहू ने कार्यवाही संचालन करते हुए कहा कि अमर शहीदों के त्याग, बलिदान व समर्पण से मिली आजादी की 75 वीं वर्षगाँठ की साक्षी बनना हम देशवासियों के लिए सौभाग्य व गौरव का विषय है। उन्होंने शासन से प्राप्त निर्देशों के अधीन कोविड -19 का अक्षरशः पालन करते हुए आजादी के अमृत महोत्सव के इस पर्व में सच्ची आस्था के साथ सम्मिलित होने आव्हान करते हुए कहा कि सदैव की भाँति पंथ, जाति, धर्म, सम्प्रदाय से ऊपर भारतीय संविधान में वर्णित धर्म निरपेक्ष राष्ट्रवादी परम्परा का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए अपनी आजादी को अक्षुण्ण रखने संकल्प लें।इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को शासन द्वारा प्रेषित निःशुल्क गणवेश का वितरण भी किया गया। बैठक में संरक्षक सरपंच धनेश कुमार ध्रुव, अध्यक्ष द्वय सावित्री वर्मा, राधेश्याम वर्मा, पंडित केजू प्रसाद शर्मा, त्रिलोकी सिंह वर्मा, कृपा राम वर्मा, डॉ. डी आर वर्मा, छन्नू निषाद, हरिराम टंडन, रूखमणी पाल, सरस्वती निषाद, चितरेखा वर्मा, उच्च प्राथमिक संस्था प्रमुख अनिता नाग परमार, शिक्षक दौलत धुरंधर,भुनेश्वरी साहू, मनोज कुमार चेलक, अनिता वर्मा, संगीता वर्मा सहित समिति के पदाधिकारी उपस्थित थे।

दो युवाओं ने किया 30 दिन उपवास व्रत पूर्ण

देवकर/नवप्रदेश। नगर देवकर जहां आचार्य श्री 1008 राम लाल के आज्ञानुवर्तीय शासन दीपक हेमन्त मुनि एवं सौरभ मुनि का चार माह का चातुर्मास प्राप्त हुआ है। नगर में चातुर्मास के प्रथम दिन से ही नगर के जैन समाज के द्वारा तप तपस्या त्याग धर्म अराधना जोरदार तरीके से आरंभ किया गया और यह रफ्तार सुचारू रूप से चल रही है। उपवास की कड़ी में रौनक बोरा ने बुधवार 10 अगस्त 30 दिनों की उपवास मास खम्मन पूरा कर पारणा किया। वहीं आदि बोरा ने आगे बढ़ते हुए 32 दिनों का पच्चखान गुरु महाराज से लिया तथा संजना बड़ेर ने 15 दिनों की उपवास व्रत पूर्ण कर पारणा की।

गृह मंत्री के नेतृत्व में निकली गौरव यात्रा

उतई/नवप्रदेश। आजादी के अमृत महोत्सव की 75वीं वर्षगांठ पर कांग्रेस द्वारा सभी 90 विधानसभा में आजादी का गौरव तिरंगा यात्रा के लिए भारत जोड़ों पदयात्रा 9 अगस्त से 14 अगस्त तक आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में दुर्ग ग्रामीण विधायक व मंत्री पीडब्लूडी ताम्रध्वज साहू के अगवाई में गुरुवार को पदयात्रा के तीसरे दिन कांग्रेस के कार्यकर्तागण रिसामा ,चिरपोटी एवं मंचादुर गांव में पहुंचे। पदयात्रा में स्थानीय स्तर पर निवासरत स्वंतत्रता संग्राम सेनानी /परिजनों तथा वरिष्ट कांग्रेसजनों से भेंट स्वरूप साल श्रीफल से सम्मान किया गया ।जिसमें ग्राम रिसामा धनुष निर्मलकर, पुनीत पटेल,जगनू यादव, ग्राम मतवारी कुंभकरण साहू,नंद यादव, रामचरण साहू,तिजउ यादव ग्राम चिरपोटी से कुमारी बाई साहू, ग्वाल सर्पे, बबला चन्द्राकर,बबला चन्द्राकर, ग्राम मंचादुर लोचन साहू, लखन देवांगन, मंगलीन ठाकुर आजादी के अमृत महोत्सव 75वीं वर्षगांठ पर स्वाधीनता की गौरव यात्रा निकाली गई है। जो विधानसभा क्षेत्र में 75 किलोमीटर की पदयात्रा तय करेगी।

आज पदयात्रा ग्राम रिसामा, चिरपोटी और मंचादुर में कार्यकर्ताओं द्वारा सिर पर गांधी टोपी और हाथ में तिरंगा लिए आजादी की गौरव पदयात्रा निकाली गई। हर घर तिरंगा- हर हाथ तिंरगा के लिए ग्रामीणों में उत्साह जगाया और तिरंगा के महत्व को बताया कि इतिहास में कांग्रेस के अनेक नेताओं ने तिरंगे के सम्मान के लिए बलिदान भी दिया है और तिरंगा झंडा हमारे देश की आन बान और शान है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी महामंत्री जितेन्द्र साहू, विधायक प्रतिनिधि केशव बंटी हरमुख, ब्लॉक अध्यक्ष नंदकुमार सेन,मुकुंद भाऊ, अध्यक्ष सहकारिता प्रकोष्ट रिवेंद्र यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष शालनी यादव, कृषि सभापति योगिता चन्द्राकर, अध्यक्ष जनपद पंचायत दुर्ग देवेंद्र देशमुख, जनपद उपाध्यक्ष झमित गायकवाड़, नगर निगम रिसाली शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर, विधायक प्रतिनिधि पिलेश्वर साहू, समस्त पार्षद गण रिसाली, अध्यक्ष नगर पंचायत उतई डिकेंद्र हिरवानी, उपाध्यक्ष रविंद्र वर्मा एवं पार्षद गण, प्रदेश किसान कांग्रेस उपाध्यक्ष कृष्णा देवांगन, सदस्य मंडी बोर्ड तारकेश्वर चन्द्राकर, जनपद पंचायत लेखन साहू, दीपिका चन्द्राकर, सरपंच ग्राम गीता बैकुंट महानंद, सरपंच मंचादुर दिलीप साहू सहित कांग्रेस के पदाधिकारी शामिल हुए।

अदाणी फाउंडेशन की सुपोषण संगिनियों ने विश्व स्तनपान सप्ताह पर 1500 से अधिक परिवारों को किया जागरूक

खरोरा/नवप्रदेश। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मार्गदर्शन में हर वर्ष अगस्त के प्रथम सप्ताह में विश्व स्तनपान सप्ताह पूरे विश्व में मनाया जाता है। इस उपलक्ष्य में अदाणी फाउंडेशन द्वारा भी रायपुर एनेर्जेन लिमिटेड के आस-पास के ग्रामों में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। 1 से 7 अगस्त तक ग्राम रायखेड़ा, भाटापारा, गैतरा, चिचोली एवं गौरखेड़ा में आंगनवाड़ी केन्द्रों के साथ मिलकर सुपोषण संगिनियों द्वारा शिशुवती माता, गर्भवती महिलाओं एवं पांच वर्ष तक के बच्चों सहित कुल 1500 से ज्यादा परिवारों को जागरूक किया गया। सात दिनों तक चले इस कार्यक्रम की शुरुआत सुपोषण संगिनियों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा जागरूकता रैली निकालकर किया गया। स्तनपान की भ्रांतियों को दूर करते हुए इसके महत्व, शिशु को पकड़ने का सही तरीका, कंगारू मदर केयर, साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान पांचों गांव के 60 नवजात शिशुओं का अन्नप्राशन कराया गया जिनमें से 18 बच्चों ने हेल्दी बेबी का पुरस्कार जीता। शिशुवती एवं गर्भवती महिलाओं के लिए भोजन की पौष्टिक थाली सजाना, दीवार लेखन आदि का आयोजन किया गया। जिसमें पौष्टिक थाली प्रतियोगिता में साठ से अधिक महिलाओं ने भाग लिया उनमें से 18 महिलाओं ने पुरस्कार जीते। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक स्तनपान कराने वाली माताओं और गर्भवती महिलाएं सहित 30 किशोरी बालिकाओं ने भाग लिया। इसके अलावा स्नेह शिविर का आयोजन, पोषण पुनर्वास केंद्र से वापस आने वाले बच्चों के लिए वॉश बास्केट प्रदान किया गया।

सेवानिवृत्त कर्मचारी राजकिशोर को दी विदाई

राजनांदगांव/नवप्रदेश। शासकीय क्षेत्रीय मुद्रणालय के सेवानिवृत्त राजकिशोर श्रीवास्तव (ग्रेनिंग मशीन ऑपरेटर) को विभाग द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के जिला शाखा के सचिव तथा विभागीय उप समिति के जिला संयोजक आनंद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि सनत कुमार बंजारे (अतिरिक्त लेखाधिकारी) के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुए इस कार्यक्रम में समस्त कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त साथी का गुलाल व पुष्पहार शाल-श्रीफल से अभिनंदन किया गया तथा यात्री बैग, स्टील की पानी टंकी, दीवार घड़ी आदि भेंट किया गया। इसके साथ ही स्मृति चिह्न (मोमैंटो) व मान-पत्र भी दी गई।

हर्षोल्लास के साथ मनाया विश्व मूल निवासी दिवस

राजनांदगांव/नवप्रदेश। गौरी नगर स्थित गोड़वाना भवन में गोड़वाना गोंड महासभा राजनांदगांव जिला महिला प्रकोष्ट एवं नगर इकाई के संयुक्त तत्वाधान में 9 अगस्त को विश्व मूल निवासी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत फड़ापेन (बड़ा देव) की पूजा अर्चना से की गई। इसके पश्चात जिला महिला प्रकोष्ठ की उपाध्यक्ष रामकुमारी धुर्वा सहायक प्राध्यापक ने कहा कि महिलाएं ही समाज का मुख्य आधार हैं, अतः एकजुट हों और समाज की प्रगति में अपना सतत योगदान दें। तिरुमाय नीरा नेताम (व्याख्याता) व तिरुमाल शंकरलाल छेदैय्या (शिक्षक) ने मूल निवासी दिवस मनाने के उद्देश्यों का विस्तृत विवेचन किया। तिरुमाल कार्तिक नेताम ने कहा कि आदिवासी समाज आर्थिक रूप से कमजोर है, पर अपने रोटी, कपड़ा, मकान की चिंता के अलावा भी समाज के लिए हमें समय निकालना आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत गोण्डी गीत एवं नृत्य का प्रदर्शन किया गया।

समूचा देश क्रांतिकारियों का ऋणी है जिसने आजादी दिलाई : विधायक साहू

राजनांदगांव/नवप्रदेश। कांग्रेस के राष्ट्रीय आह्वान पर आयोजित आजादी की गौरव यात्रा के दूसरे दिन खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बरार मुंडी से शुरू हो कर बांधाबाजार में देर शाम यात्रा का समापन हुआ। विधायक श्रीमती छन्नी चंदू साहू की अगुवाई में आजादी की गौरव यात्रा के दूसरे दिन भी कांग्रेस के पदाधिकारी सही कार्यकर्ता व आम जनता ने इस यात्रा में हिस्सा लिया और देशभक्ति गीतों के साथ हाथों में तिरंगा लहराते हुए देर शाम तक यात्रा में शामिल रहे। बरारमुण्डी से शुरू की गई यात्रा आटरा, बहोरनभेडी, छछानपहरी, सीतागुटा, सांगली से होते हुए बांधाबाजार में समाप्त हुई। इस दौरान सांगली में विधायक श्रीमती छन्नी साहू ने शहीद अमर जवान स्मारक पर शीश नवा कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। विधायक श्रीमती साहू ने यात्रा के दौरान अपने संबोधन में कहा कि देश की आजादी में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर देने वाले क्रांतिवीरों का ये देश सदैव ऋणी रहेगा और आज उन्हीं के बलिदान की वजह से हम आजाद भारत में सांस ले पा रहे हैं।

प्रथम पेज का शेष

वर्ल्ड इकोनामिक फोरम...

व्यक्तिगत और सामुदायिक वन अधिकार पट्टों का वितरण कर रही है। मुख्यमंत्री ने वर्ल्ड इकोनामिक फोरम को सुझाव देते हुए कहा कि मौसम के अनुसार ही यदि हम पौधों का रोपण करें तो वनों के विकसित होने की संभावनाएं ज्यादा रहेंगी और ये तभी हो सकेगा जब इनको पर्याप्त मात्रा में पानी मिलता रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नरवा योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ सरकार ने यही काम किया है। इससे नालों में पानी रीचार्ज हुआ है और पानी की पर्याप्त मात्रा होने की वजह से जंगल का दायरा बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने 'हमर तिरंगा...

प्रदेशवासियों से आव्हान किया कि इस अभियान के दौरान शासकीय, अशासकीय संस्थानों, दुकानों, इमारतों और घरों में राष्ट्रीय ध्वज अवश्य फहराएं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, जनसम्पर्क विभाग के संचालक सौमिल रंजन चौबे उपस्थित थे।

तबादला नीति...

कर्मचारियों के मामले में उनके संवर्ग में कार्यरत कर्मचारियों की कुल संख्या अधिकतम 10 फीसदी तक ट्रांसफर होंगे।

एक साल सेवा दे चुके कर्मचारी का ही तबादला : उन्हीं कर्मचारियों का तबादला होगा जो 15 अगस्त 2021 अथवा उससे पहले एक ही स्थान पर तैनात हैं। परिवीक्षाधीन अधिकारियों-कर्मचारियों का तबादला नहीं होगा। निःशक्त कर्मचारियों का तबादला आने-जाने की सुविधा वाले स्थानों पर ही किया जाएगा। ट्रांसफर आदेश निकलने के 15 दिनों बाद नए जगह पर पदभार ग्रहण करना होगा, नहीं तो विभागीय कार्रवाई होगी।

स्कूलों के लिए ये नियम लागू : शिक्षा विभाग में ऐसे तबादले नहीं होंगे, जिससे कोई स्कूल शिक्षक विहीन हो जाए। अथवा वहां केवल एक ही शिक्षक बचे। ऐसे भी तबादले मंजूर नहीं किए जाएं जिससे किसी स्कूल में किसी विषय को पढ़ाने वाले शिक्षक ही न बचें। ऐसे तबादले भी नहीं करने हैं, जिससे किसी स्कूल में शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात 1:40 से अधिक अथवा 1:20 से कम हो जाए। अनुसूचित क्षेत्रों से कोई भी ट्रांसफर एवजीदार की पदस्थापना किए बगैर नहीं किया जाएगा। स्वामी आत्मानंद स्कूलों में पदस्थ किसी शिक्षक अथवा कर्मचारी का तबादला प्रतिनियुक्ति समाप्त किए बिना नहीं होगा।

छत्तीसगढ़ के ...

जायसवाल ने कई क्रिमिनल केसेस के साथ टेरर फंडिंग के एक में काम किया, दिव्या शर्मा ने बच्चियों के प्रति हो रहे अपराधों में बेहतर जांच की। दिनेश यादव को भी समय पर जांच पूरी करने की वजह से ये मेडल दिया जा रहा है।

बैलेट से चुनाव...

मशीन (ईवीएम) के इस्तेमाल की शुरुआत हुई थी।

जस्टिस एस के कौल और जस्टिस एम एम सुंदरेश की बेंच ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा-61 ए को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जो कि चुनावों में ईवीएम के इस्तेमाल से संबंधित है।

एटीएस ने दो आतंकियों...

से एक मोबाइल, दो सिम तथा प्रशिक्षण साहित्य बरामद हुआ है। बरामद साहित्य में विभिन्न प्रकार की आईईडी एवं बम बनाने की तकनीकी तथा फिदायीन हमले से संबंधित प्रशिक्षण कोर्स की सामग्री शामिल है। पूछताछ में पता चला कि नदीम जेम और टीटीपी के आतंकवादियों से सीधे संपर्क में था और फिदायीन हमले की तैयारी कर रहा था। एटीएस ने उसके विरुद्ध अपने लखनऊ थाने में आईपीसी की धारा 121ए व 123 तथा विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 18 व 38 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

15 अगस्त पर ...

पुलिस अलर्ट मोड पर है। हाल ही में ढूक्क ने अलर्ट जारी किया था।

राजधानी ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने कनाडा के ग्लोबल अफेयर्स को यह जानकारी दे दी है। खास बात है कि कोविड-19 के चलते 2019 के बाद पहली बार व्यक्तिगत उपस्थिति के साथ 15 अगस्त को मनाने की तैयारियां की जा रही हैं।

कार्यालय नगर पंचायत फिंगेश्वर, जिला-गरियाबंद (छ.ग.)
Email ID-cmofingeshwar@gmail.com Phone No.-07701-296340
क्रमांक/1128/लो.नि.शा./न.पं./2022-23 फिंगेश्वर, दिनांक 12/8/2022

संशोधित सूचना

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/993/लो.नि.शा./न.पं./2022-23 फिंगेश्वर दिनांक 14.07.2022 के माध्यम से मैनुअल निविदा आमंत्रण सूचना जारी किया गया था, जिसमें निविदा प्रपत्र प्राप्त होने कि तिथि दिनांक 10.08.2022 को कार्यालयीन अवधि तक निर्धारित था। किंतु पोस्ट ऑफिस में हड़ताल होने से निर्धारित समय में निविदा प्रपत्र प्रेषित नहीं किया गया एवं दिनांक 11.08.2022 को रक्षाबंधन पर्व का शासकीय अवकाश हो जाने से कार्यालय बंद था। जिसमें आंशिक संशोधन करते हुए उक्त जारी निविदा में समयावृद्धि करते हुए निविदा प्राप्त करने का दिनांक 16.08.2022 को कार्यालयीन अवधि तक व निविदा प्रपत्र खोले जाने की तिथि 17.08.2022 समय दोप. 12.00 बजे निर्धारित किया जाता है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत फिंगेश्वर

न्यायालय कार्यपालिका दण्डाधिकारी सुहेला जिला बलौदाबाजार-भाटापारा

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ब/121/2022
ग्राम- करही

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता विषयांतर्गत लेख है कि आवेदक संजय कुमार वर्मा पिता लखनलाल वर्मा जाति कुर्मी निवासी ग्राम करही प.ह.नं. 38 थाना व तहसील सुहेला जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) ने आवेदन मय शपथ पत्र पेश कर निवेदन किया है कि आवेदक की माता श्रीमती चन्द्रीका वर्मा पति लखनलाल वर्मा की मृत्यु दिनांक 30.10.1997 को ग्राम करही में होने पर भूलवश मृत्यु पंजीयन मटिया में नहीं करा पाने के कारण मृत्यु पंजीयन दर्ज कर प्रमाण पत्र की मांग किया है। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो वे स्वतः या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर सुनवाई दिनांक 25/08/2022 को दावा आपत्ति पेश कर सकता है। सुनवाई तारीख के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10/8/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील
कार्यपालिक दण्डाधिकारी
सुहेला

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पिथौरा, जिला-महासमुंद (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ/2 वर्ष 2021-22
ग्राम पिथौरा प.ह.नं. 12
रा.नि.मं. पिथौरा, तहसील पिथौरा

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विजय कुमार नायक पिता अभिमन्यु नायक निवासी ग्राम राजासेवैया, तहसील पिथौरा जिला महासमुंद के द्वारा अपने भूमि स्वामी हक की ग्राम पिथौरा प.ह.नं. 12, रा.नि.मं. पिथौरा तहसील पिथारा में स्थित भूमि खसरा नं. 191/8 कुल रकबा 0.02 हे. भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किए जाने बाबत आवेदन पत्र मय नक्शा, खसरा , बी-1 के साथ प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव आवेदित भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन करनें में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तारीख 28.03.2022 तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त होने वाली दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

आज दिनांक 15.03.2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
पिथौरा, जिला महासमुंद (छ.ग.)

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पिथौरा, जिला-महासमुंद (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ/2 वर्ष 2021-22
ग्राम पिथौरा प.ह.नं. 45
रा.नि.मं. सांकरा, तहसील पिथौरा

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बैशाली सिंह ठाकुर पति त्रिलोक सिंह ठाकुर निवासी ग्राम-गबौद तहसील पिथौरा जिला महासमुंद के द्वारा अपने भूमि स्वामी हक की ग्राम सांकरा प.ह.नं. 45 रा.नि.मं. सांकरा तहसील पिथौरा में स्थित भूमि खसरा नं. 426/77 कुल रकबा 0.01 हे. भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किए जाने बाबत आवेदन पत्र मय नक्शा, खसरा, बी-1 के साथ प्रस्तुत किया है।

अतएव आवेदित भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन करनें में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तारीख 28.03.2022 तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त होने वाली दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

आज दिनांक 15.03.2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
पिथौरा, जिला महासमुंद (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-4, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
email ID: eocghbzone5@gmail.com

आम-सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा कालोनी गातापार (अभनपुर) जिला रायपुर में निर्मित अटल आवास योजनांतर्गत भवन क्र. 176 श्री दशरथ राम साहू पिता श्री सखाराम साहू के नाम पर इस कार्यालय का आबंटन आदेश क्र. 2818 दिनांक 22.06.2013 के माध्यम से स्वनिर्मित आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर दिनांक 07.07.2016 को लीजडीड निष्पादित करा लिया गया है। वर्तमान में आबाटी श्री दशरथ राम साहू पिता श्री सखाराम साहू निवासी वार्ड -14 नायकबांधा, तहसील अभनपुर जिला रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को क्रेता श्री कृष्ण कुमार साहू पिता श्री अशोक कुमार साहू निवासी वार्ड नं. 10 सांई नगर अभनपुर तहसील अभनपुर जिला रायपुर (छ.ग.) के पक्ष में विक्रय करना चाहते हैं। विक्रय अनुमति हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन को क्रेता श्री कृष्ण कुमार साहू पिता श्री अशोक कुमार साहू के पक्ष में विक्रय हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्धशासकीय संस्था निकाय अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/ भवन के विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-4, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मीनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सरोरा रोड उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित, प्रबंध संपादक - चन्द्रशेखर धोटे, फोन : 0771-4035602, डाक पंजीयन क्रमांक CG/RYP/DN/ 40/2019-2021

न्यूज गैलरी

विधायक चंद्राकर करेंगे ध्वजारोहण

महासमुन्द/नवप्रदेश। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को महासमुंद विधायक विनोद चंद्राकर मिनी स्टेडियम महासमुंद में ध्वजारोहण करेंगे। चंद्राकर मुख्यमंत्री का प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन करेंगे। इस आशय के आदेश

छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय (महानदी भवन) से आज बुधवार को जारी कर दिए गए है। जिला स्तरीय मुख्य समारोह जिला मुख्यालय स्थित मिनी स्टेडियम में प्रातः 9 बजे शुरू होगा। इधर कलेक्टर निलेश क्षीरसागर ने सभी तैयारियां समय पर पूरा करने के निर्देश दिए है।

स्वामी विवेकानंद स्कूल में मनाया रक्षाबंधन

नवागढ़/नवप्रदेश। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वामी विवेकानंद विद्या मंदिर हायर सेकंडरी स्कूल नवागढ़ में भाई-बहन का पर्व रक्षाबंधन का त्योहार मनाया गया। सभी बहनों ने अपने भाइयों को तिलक लगाकर व मिठाई खिलाकर कलाई में राखी बांधते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य,हमेशा खुश रहने व दीर्घायु की कामना किया। रक्षाबंधन के इस पर्व पर भाइयों ने

भी बहनों के प्रति हमेशा कर्तव्य निष्ट,परोपकार की भावना, व जीवन में हमेशा ये खुशनुमा पल अपने पलको में संजोके रखेंगे। इस अवसर पर विद्यालय प्रमुख वीरेन्द्र जायसवाल ने कहा कि भाई बहन का अटूट पर्व रक्षाबंधन हम सभी के जीवन में खुशियां लेकर आता है। सभी छात्र छात्राओं को बताया कि यह एक ऐसा पर्व है जो अपनो को एक जुट होकर खुशियां मनाने का अवसर प्रदान करता है तथा इस प्रकार का आयोजन हमेशा हमारे जीवन में यादगार पल होता है। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक नरेश साहू, गीतेश्वर यादव, बुलेंद्र निषाद, भूनेश साहू, विक्रम साहू, रमेश साहू, टीकाराम साहू, सीमा जायसवाल, चंद्रकली यादव, सीमा गहिरे, मनीषा गहिरे, गंगा निषाद, रेशमी देवांगन, रामेश्वरी बंजारे, ललिता व संजय सहित समस्त छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

पीजी कॉलेज की छात्रा सुमित्रा का स्वतंत्रता दिवस परेड के लिए चयन

कवर्धा/नवप्रदेश। कवर्धा पी.जी. महाविद्यालय की एन.सी.सी छात्रा सुमित्रा पटेल का स्वतंत्रता दिवस के परेड के लिए चयन किया गया हैं उसका चयन एन.सी.सी. बटालियन राजनांदगाव से आजादी का अमृत महोत्सव के पावन अवसर पर, एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत स्वतंत्रता दिवस समारोह दिल्ली कैंप के लिए किया गया है। कवर्धा जिले से प्रतिनिधित्व के लिए एक मात्र कैडेट का चयन हुआ है। चयन प्रक्रिया के विभिन्न सोपानों को पास करते हुए सुमित्रा का चयन किया गया है। उक्त कैंप के लिए भारत भर के प्रत्येक जिले से एक सर्वश्रेष्ठ कैडेट का चयन किया गया है। कैम्प के दौरान कैडेट्स को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों से प्रत्यक्ष संवाद का अवसर मिलेगा। इसके अलावा कैडेट्स को स्वतंत्रता दिवस परेड में शामिल होने के साथ-साथ बौद्धिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने अवसर मिलेगा। सुमित्रा की उपलब्धि पर कालेज के प्राचार्य, एनसीसी अधिकारी, राजनांदगाव बटालियन के कमान अधिकारी एवं महाविद्यालय के स्टॉफने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

योगी चैरिटेबल ब्लड बैंक सेंटर का शुभारंभ

कवर्धा/नवप्रदेश। योगी चैरिटेबल ब्लड सेंटर का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री मोहम्मद अकबर ने शुभारंभ किया। प्राइवेट ब्लड बैंक की स्थापना से लोगों को लाभ रुको को बड़ी राहत मिलेगी। योगी चैरिटेबल ब्लड बैंक में रक्त से सम्बंधित सभी तरह के ब्लड होल ब्लड, पीआरबीसी, एफएफपी, प्लेटलेट, 24 घंटे मरीजों के

सुविधा के लिए उपलब्ध रहेगा। कैबिनेट मंत्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि रक्तदान महादान होता है और एक यूनिट खून से तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है। संकट की स्थिति में मरीजों की जान बचाने के लिए क्षेत्र में ब्लड बैंक को लेकर यह सराहनीय पहल है। उन्होंने आम लोगों से रक्तदान करने की अपील की। आगे कहा कि रक्तदान करने से व्यक्ति को दिल की बीमारी नही होती और व्यक्ति स्वस्थ रहता है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि लाल चंद्रवंशी, डॉक्टर सुरेश चंद्र मिश्रा, डॉक्टर गोवर्धन सिंह ठाकुर, विनोद चंद्रवंशी, चुनवा खान, अशोक सिंह, मोहित महेश्वरी, हजारी नाथ योगी, वीरेंद्र वीएस साई, एमएस कृष्णा, प्रिया, डॉ धरम प्रकाश साहू, देव साहू, आकाश केशरवानी, अगम दास, मुकुंदमाधव कश्यप सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे इसके साथ ही 10 युवाओं ने ब्लड डोनेट भी किया।

भ्रष्टाचार की परत उधेड़ती सड़कें

18 महीनों में ही उखड़ने लगी पीएमजीएसआई की सड़क

■ 114.45 लाख की लागत से बनाई गई थी पीएमजीएसआई की सड़क

सुकमा/नवप्रदेश। जिले में दो दिन की बारिश एनएच से लेकर ग्रामीण इलाकों के शासन की प्राथमिक योजनाओं की सड़कों का हाल किस कदर बद से बदतर हुए हैं। इसका नमूना हमने अपनी पिछली अंक में बताया था।

नवप्रदेश लगातार

सुकमा जिले में पीएमजेएसवाई योजना की चंद महीनों पहले बने सड़कों का खराब होने का सिलसिला अब भी नहीं थमा है। साल भर पहले बनी सड़के लगातार एक के बाद एक खराब होने लगी है। मामला छिंदगढ़ ब्लॉक के महिमा में बने सड़क का है। जिले भर में दर्जनों भर से भी अधिक ऐसी सड़के हैं, जो तय समयावधि से पहले ही खराब होने लगी है। पीएमजीएसआई योजना के तहत एनएच 71 जगदलपुर - कोंटा एनएच से लेकर महिमा गांव के बीच ठेकेदार शैलेंद्र बहादुर सिंह द्वारा 114.45 लाख की लागत से 2 किलोमीटर बनाई गई थी। ये सड़क भी महज 18 माह में जगह-जगह से उखड़ने लगी है। करोड़ों की लागत से बनी पक्की डामरीकरण की सड़क जमीन में धंस रही है। जिससे सड़क पुनः अपनी पुराने अवस्था में तब्दील हो रही है।

तय समयावधि से पहले उखड़ी सड़क

बता दें की सड़क निर्माण के दौरान विभागीय नियमावली के तहत ठेकेदार शैलेंद्र बहादुर सिंह द्वारा कराए गए कार्य की उपयोगिता क्षमता की न्यूनतम समयावधि 5 वर्षो का दिया गया है। लेकिन ठेकेदार द्वारा अपने ही निर्माण कार्य में दी गई तय समय से पहले ही कार्य पूर्णता के महान 8 माह में ही पक्की की कई सड़क जमीन छोड़ने लगी है। बदत्तर गुणवत्ता के वजह से मार्ग पर चलने वाले वाहनों के निशान साफ देखे जा रहे हैं।

विभाग नहीं ठेकेदार चयन करते हैं अधिकारी

सुकमा जिला में पीएमजीएसवाई योजना से बनी सड़कों के तय समयावधि से पहले खराब होने की कारण को लेकर पूर्व में विभागीय ईई के तबादले को बताया है। स्थानीय ठेकेदारों ने कहां की पूर्व ईई एके सोनी अपने काम को लेकर अनुशासात्मक थे। सोनी के कार्यकाल में बनी सड़के अब भी अच्छी स्तिथि में हैं। अधिकारी के बदलने के बाद से ही जिले की सड़कों और पुल में खराब होने की शिकायत लगातार सामने आ रही। नाम न छापने की शर्त पर कुछ स्थानीय ठेकेदारों ने बड़े बड़े योजनाओं में चल रहे खेल को समझते हुए बताया की सुकमा जिला में इन दिनों राजनीतिकरण कर जिले में कुछ ठेकेदार चयनित अधिकारियों को मनमुताबिक पद तजवीज करते हैं।

कांग्रेस की गौरव यात्रा का बेमचा से आगाज

महासमुंद/नवप्रदेश। आजादी के 75वीं वर्षगांठ हीरक महोत्सव पर मंगलवार से संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर की अगुवाई में ग्राम बेमचा से विधानसभा स्तरीय गौरव यात्रा का आगाज हुआ। मंगलवार को ग्राम पंचायत बेमचा से गौरव यात्रा की शुरूआत हुई। संसदीय सचिव व विधायक श्री चंद्राकर ने मां खल्लारी मंदिर में पूजा-अर्चना कर यात्रा की शुरूआत की। बेमचा में पदयात्रा के बाद काफिला परसदा ब, कौंदकेरा, बनसिवनी, जुनाडीह, सोरिद, चोरभट्ठी, गौरखेड़ा, उमरदा, मुड़मार होते पतेरापाली में समाप्त हुई। इस दौरान संसदीय सचिव श्री चंद्राकर ने कहा कि देश को आजाद करवाने ओर तिरंगा बनाने में कांग्रेस का बहुत बड़ा योगदान रहा है। आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर कांग्रेस कार्यक्रम आयोजित कर रही है। 14 अगस्त तक गौरव पदयात्रा निकाली जाएगी। गौरव यात्रा में प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष रश्मि चंद्राकर, जनपद अध्यक्ष यतेंद्र साहू, कृषि उपज मंडी अध्यक्ष हीरा बंजारे, नगरपालिका अध्यक्ष राशि महिलांग, बीज अनुसंधान समिति छग के संचालक दाउलाल चंद्राकर, ब्लॉक अध्यक्ष ढेलू निषाद, खिलावन बघेल, खिलावन साहू, राजेंद्र चंद्राकर, सरपंच संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र चंद्राकर, जिला पंचायत सदस्य अमर चंद्राकर, जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री संजय शर्मा, अरूण चंद्राकर, सेवनलाल चंद्राकर, कुणाल चंद्राकर, विजय साव, जनपद सदस्य प्रतिनिधि सचिन गायकवाड़, लोकेश चंद्राकर, सुनील चंद्राकर, राजू साहू, देवेंद्र चंद्राकर, आवेज खान, ममता चंद्राकर, लता कैलाश चंद्राकर, नीतेंद्र बेनर्जी, हेमंत चंद्राकर, रेखराज पटेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।

12 को झालखम्हरिया से होगी शुरूआत

आजादी के 75वीं वर्षगांठ हीरक महोत्सव पर आयोजित गौरव यात्रा के तहत 12 अगस्त को ग्राम पंचायत झालखम्हरिया से पदयात्रा की शुरूआत होगी। गौरव यात्रा के विधानसभा प्रभारी विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने जानकारी देते हुए बताया कि 12 अगस्त को सुबह 11 बजे ग्राम पंचायत झालखम्हरिया से गौरव यात्रा निकलेगी। जो सिरगिड़ी, कोसरंगी, खट्टी, लभराकला, परसदा ख, केशवा से होते बोरियाझर में समाप्त होगी।

कलेक्टर के निर्देश पर आंबा केंद्र में रनिंग वाटर की हुई व्यवस्था

कवर्धा/नवप्रदेश। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने जिले के आंगनबाड़ी केन्द्र और स्कूल की सभी व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश अधिकारियों को दिए है। इसी कड़ी में विगत दिनों कलेक्टर ने पंडरिया विकासखंड के ग्राम रहमानकापा के आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। जहां आंगनबाड़ी केंद्र में नल कनेक्शन में खराबी होने के कारण वैकल्पिक व्यवस्था करके पानी उपलब्ध कराया जा रहा था। आंगनबाड़ी केंद्र के नल में तत्काल रनिंग वाटर की व्यवस्था करने के निर्देश पीएचई विभाग के अधिकारी जीपी गौड़ को दिए। कलेक्टर के निर्देश पर अधिकारी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र में रनिंग वाटर की व्यवस्था कराई गई। अब आंगनबाड़ी केन्द्र के नल में पानी आने से बच्चों को स्वच्छ पानी मिल रहा है। वही पानी के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। कलेक्टर द्वारा जिले के आंगनबाड़ी और स्कूल की सुचारू व्यवस्था के लिए लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। जिन आंगनबाड़ी और स्कूल में कमी पाई जा रही है उसे दूर करने स्थल में ही अधिकारियों को निर्देशित किया जा रहा है। इसके साथ ही वहां की शिक्षा व्यवस्था सहित अन्य सुविधाओं का भी जायजा ले रहे है।

भारत जोड़ों अभियान के तहत कांग्रेसियों ने निकाली गौरव यात्रा

साजा/नवप्रदेश। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आव्हान में प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं कृषि व पंचायत मंत्री रविन्द्र चौबे के मार्गदर्शन में संतोष वर्मा अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में ब्लॉक मुख्यालय साजा क्षेत्र के ग्राम बीजागोंड से आजादी के 75 वे हीरक जयंती के अवसर पर भारत जोड़ों अभियान के तहत स्वतंत्रता संग्राम के अमर बलिदानियों के सर्वोच्च बलिदान को याद करने एवं उनके जीवन विचारों को आमजनों तक पहुंचाने हेतु आजादी गौरव पदयात्रा का प्रथम दिवस का शुभारंभ किया। यह पदयात्रा (9 से 14 अगस्त 2022 तक) साजा विधानसभा के सभी ग्रामों पर जाकर अमर बलिदानियों की वीर गाथाओं को आमजनों तक पहुंचाएगी। उक्त अवसर पर परस सिन्हा अध्यक्ष महा साजा, मनोज जायसवाल अध्यक्ष प्रतिनिधि, विजय दुबे अध्यक्ष सेवा सहकारी समिति, ओम प्रकाश वर्मा पूर्व अध्यक्ष, बिहारी साहू प्रतिनिधि, विनोद कुंजाम विधायक प्रतिनिधि, राजू चौहान, दिनेश साहू, किलूश यदु, सुशील यदु, पंकज राठी, जितेंद्र जैन, संग्राम राजपूत, खेलन बघेल, हेमंत साहू अध्यक्ष सेवा सहकारी समिति, अवधेश गोयल, तोप सिंह राजपूत, अंजोर यदु, ईश्वर वर्मा सरपंच, जीवेश जंघेल, रोशन अग्रवाल एल्डरमैन, आयुष यदु, लिकेश साहू, हितेश सिन्हा एवं कांग्रेस जन उपस्थित थे।

इनरिचमेन्ट वर्मीकम्पोस्ट विषय पर प्रशिक्षण

कवर्धा/नवप्रदेश। कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा द्वारा रासायनिक उर्वरकों की सीमित आपूर्ति की स्थिति में फसलवार समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन के अंतर्गत वर्मीकम्पोस्ट की विभिन्न बॉयोफ र्टिलाईजर द्वारा गुणवत्ता बढ़ाने के लिए गौठान समिति के सदस्यों, महिलाओं एवं कृषकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है एवं निःशुल्क जैव उर्वरक भी खेतों में उपयोग के लिए प्रदाय किया जा रहा है। ग्राम छाटा झा एवं कोसमंदा में किसानों को ट्राइकोडर्मा, एजास्पाइरिलम, एजोटेबैक्टर, जेड एस.बी. जैसे जैव उर्वरकों के उपचार एवं उपयोग करने के तरीकों के

विषय में सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदाय किया गया। राइजोबियम जीवाणु के द्वारा दलहनी फ सलों में वायु में नाइट्रोजन का स्थिरीकरण कर मुद्रा में लगभग 50 किलोग्राम/हेक्टेयर नाइट्रोजन उपलब्ध कराया जा सकता है। इसी प्रकार धान में अन्य फसलों में एजोस्थाइरीलम एवं एजेटोबैक्टर जीवाणु द्वारा लगभग 25 किलोग्राम हेक्टेयर नाइट्रोजन मृदा को उपलब्ध कराया जाता है। पी.एस.बी. जैव उर्वरक के प्रयोग से मृदा में स्थिरीकृत फॉस्फोरस को उपलब्ध अवस्था में रूपांतरित करता है। जिससे मृदा में 13 से 20 किलोग्राम/प्रतिहेक्टेयर फॉस्फोरस उपलब्ध होता है। प्रशिक्षण के दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. बी.पी. त्रिपाठी, डॉ. राजेश्वरी साहू, विषय वस्तु विशेषज्ञ (उद्यानिकी) इंजी. टी.एस. सोनवानी, विषय वस्तु विशेषज्ञ (कृषि अभियांत्रिकी) एवं बड़ी संख्या में कृषक एवं स्वसहायता समूह के सदस्य उपस्थित थे।

विधायक के नेतृत्व में देशभक्ति का संदेश देने गौरव पद यात्रा शुरू

बेमेतरा/नवप्रदेश। बेमेतरा विधायक आशीष छाबड़ा ने आजादी के 75 वर्ष पर पूर्ण होने पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के आदेशानुदार विधानसभा स्तरीय आजदी गौरव पद यात्रा का आयोजन किया जा रहा हैं। बेमेतरा विधानसभा स्तरीय आजादी गौरव पद यात्रा के द्वितीय दिवस में ग्राम पंचायत भिभौरी से ग्राम पंचायत सांकरा तक 11 किमी की गौरव पद यात्रा निकाला गया। इस असवर पर विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि आजादी गौरव पद यात्रा का मुख्य उद्धेश लोगो को जोड़ना है और इस आजादी गौरव पद यात्रा के माध्यम से लोगो में सामाजिक, धार्मिक समरसता को बनाए रखने के साथ ही साथ लोगों को देश की आजादी के लिए बलिदान हुए देश भक्तों की शहादत को लोगों के दिलो में जिंदा बनाए रखना देश आजादी की 75 वीं वर्षगांठ मनाने का उद्देश्य देश को आजाद कराने में राष्ट्र के जिन महापुरुषों ने अपना जीवन न्यौछावर कर दिया था आज उनके बलिदान को याद करने के लिए कांग्रेस पूरे देश में आजादी गौरव यात्रा निकाल रही हैं।

कलेक्टर ने किया बेरला में सभा स्थल एवं हेलीपेड का मुआयना

बेमेतरा/नवप्रदेश। प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के शुक्रवार 12 अगस्त को प्रस्तावित बेरला प्रवास को लेकर कलेक्टर जितेन्द्र कुमार शुक्ला एवं पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने आज बुधवार को बेरला में सभा स्थल एवं हेलीपेड का मौका मुआयना किया। एसपी ने सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। कलेक्टर ने आमसभा स्थल में आमजनों के लिए बैठक व्यवस्था, पेयजल, छाया के लिए वाटर प्रूफ पंडाल, बैरीकेट्स, मंच, पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर विधायक बेमेतरा आशीष कुमार छाबड़ा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बेमेतरा लीना मण्डावी, अपर कलेक्टर डॉ.

अनिल बाजपेयी, अनुविभागीय अधिकरी राजस्व बेरला संदीप ठाकुर, डिप्टी कलेक्टर विश्वास राव म्हस्के, एसडीओपी बेरला तेजराम पटेल, कार्यपालन अभियंता छ.ग. राज्य विद्युत वितरण कम्पनी साजा दिलीप कुमार रात्रे, तहसीलदार बेरला मनोज कुमार गुप्ता, अतिरिक्त सीईओ आलोक कुमार सातपुते सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पौधे लगाकर विश्व आदिवासी दिवस मनाया

साजा/नवप्रदेश। आदिवासी गोड़ समाज युवा संघ तहसील साजा के तत्वधान मे आदिवासी गोड़ समाज सामुदायिक भवन डोंगीतराई साजा में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर युवा कैरियर गाइडेन्स व सामाजिक संगोष्ठी कार्यक्रम हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि महादेव कावरे पूर्व कलेक्टर बेमेतरा वर्तमान संभाग आयुक्त दुर्ग संभाग, अति विषेश अतिथि धनराज मारकाम एसडीएम साजा, विशेष अतिथि गजेंद्र ध्रुव बेरला, बाली राम नेताम अध्यक्ष आदिवासी गोड़ समाज युवा संघ तहसील साजा रहें। संभाग आयुक्त कावरे ने अपने जीवन शैली, विद्यार्थी जीवन में किन किन कठनाइयों से गुजरना पड़ता है आदिवासी युवाओं को युवा कैरियर के माध्यम से बताया। आदिवासी युवाओ ने श्री कावरे से प्रश्न कर उत्तर जानने का प्रयास किया और उन्होंने आदिवासी युवाओं के प्रसन्न का उत्तर बड़ी सादगी के साथ दी,

जैसे एक गुरु विद्यार्थी को उत्तर देता वैसे ही आदिवासी युवाओं को उत्तर दी और आदिवासी समाज को हमेशा एकता बनाये रहने का सन्देश दिया। एसडीएम श्री मरकाम ने गरीबी से लड़ कर मंजिल कैसे हासिल की, अपने जीवन शैली व विद्यार्थी जीवन की बात बताकर आदिवासी समाज के युवाओं को आगे बढ़ने का साहस बढ़ाया और विश्व आदिवासी दिवस क्यों मनाया जाता है इस बारे में संक्षिप्त में जानकरी दी। विश्व आदिवासी दिवस, युवा कैरियर गाइडेन्स, सामाजिक संगोष्ठी कार्यक्रम बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

टीवी का खर्च कम करने में दर्शकों की मदद के लिए टाटा प्ले का साहसी कदम

मुंबई। टाटा प्ले (पूर्व में टाटा स्काई) ने अपने सदस्यों के लिए नए किफायती पैक प्रस्तुत किए हैं। टाटा प्ले के एमडी एवं सीईओ, हरित नागपाल ने कहा, ''मनोरंजन मनुष्य की एक मौलिक जरूरत है। हालाँकि बढ़ती कीमतों के कारण लोग मूलभूत जरूरतों जैसे खाना एवं ईंधन और मन बहलाने के लिए होने वाले खर्च जैसे मनोरंजन के बीच विकल्प चुनने को मजबूर हुए हैं।देश में सबसे बड़े मनोरंजन कार्यक्रम के वितरक के रूप में हमारा दायित्व है कि हम मनोरंजन को किफायती बनाएं।''ये नए पैक एवं इनके मूल्य भारत में सभी मौजूदा व नए ग्राहकों को उपलब्ध हैं। ग्राहक अपने नजदीकी टाटा प्ले विक्रेता के पास जाकर या वेबसाईट www.Tataplay.com द्वारा नएमहाबचत वाले पैक ले सकते हैं। मौजूदा सदस्यों को नए 'महाबचत वाले पैक' टाटा प्ले केमोबाईल ऐप में पैक का प्रबंधन करें टैब में मिलेंगे।हिंदी महाबचत पैक में स्टार प्लस, सेट, कलर्स, ज़ी टीवी, स्टार गोल्ड, सोनी मैक्स, ज़ीसिनेमा, कलर्स सिनेप्लेक्स, आज तक, एनडीटीवी, और 203 अन्य चैनल केवल 249 रु. मेंमिलेंगे।इन महाबचत करने वाले पैक्स के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए टाटा प्ले ने एक जन अभियान प्रस्तुत किया है, जिसमें हिंदीभाषी बाजारों में करीना कपूर और सैफ अली खान तथा दक्षिण भारत के बाजारों में माधवन और प्रियामणि दिखाई देंगे।

एयरटेल डिजिटल ने लॉन्च किया विंक स्टूडियो, इंडिपेंडेंट आर्टिस्ट्स के लिए भारत का सबसे बड़ा म्यूजिक डिस्ट्रीब्यूशन इकोसिस्टम

विंक स्टूडियो से भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों को कई प्लेटफॉर्म पर संगीत लॉन्च करने और उससे आय करने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली। डाउनलोड और डेली एक्टिव यूज़र्स की संख्या के मामले में भारत के नंबर 1 म्यूजिक स्ट्रीमिंग ऐप, विंक म्यूजिक ने आज भारत और विदेशों के इंडिपेंडेंट आर्टिस्ट्स के लिए भारत के सबसे बड़े म्यूजिक डिस्ट्रीब्यूशन इकोसिस्टम विंक स्टूडियो के शुभारम्भ की घोषणा की। स्टूडियो कलाकारों को अपना संगीत लॉन्च करने में सक्षम बनाएगा और कई प्लेटफॉर्म पर उनके म्यूजिक को मॉनेटाइज करने के लिए उनके साथ भागीदारी भी करेगा। विंक स्टूडियो एयरटेल के डिजिटल प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का एक हिस्सा होगा जिसमें विंक, एयरटेल एक्सस्ट्रीम, एयरटेल ऐड्स, एयरटेल आईक्यू शामिल हैं।

विंक स्टूडियो भारत में म्यूजिक इकोसिस्टम को गति प्रदान करने की दिशा में एयरटेल का एक महत्वपूर्ण कदम है। स्टूडियो की योजना अगले एक वर्ष में इस मंच पर 5000 से अधिक इंडिपेंडेंट आर्टिस्ट्स को लॉन्च करने की है। यह इंडियन म्यूजिक इंडस्ट्री में सफलता और विफलता के बीच के अंतर का निर्धारण करने वाली तीन सबसे प्रमुख समस्याओं - डिस्कवरी, मॉनेटाइजेशन और एनालिटिक्स का समाधान प्रदान करते हुए उन प्रतिभाओं को सामने लाएगा जो अबतक अज्ञात हैं।

वर्तमान में इंडियन म्यूजिक इंडस्ट्री एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर है। भारतीय संगीत प्रेमी औसतन 18 घंटे के वैश्विक औसत के मुकाबले संगीत सुनने में प्रति सप्ताह लगभग 21 घंटे व्यतीत करते हैं। भारत में किसी भी म्यूजिक प्लेटफॉर्म पर शीर्ष प्रदर्शन करने वाले गीतों में से लगभग 30% इंडिपेंडेंट आर्टिस्ट्स के हैं और इन इंडिपेंडेंट आर्टिस्ट्स द्वारा किया गया इस उद्योग का विकास लगभग 2000 करोड़ रूपए से 50 फीसदी बढ़कर 2025 तक 3000 करोड़ का हो जाएगा।

आफत की बारिश, बिशनपुरा में बांध टूटा

■ सावन के आखिरी दिनों की झड़ी से खेत-खलिहान, नदी-नाले उफान पर

बोड़ला/नवप्रदेश। सावन के महीने में लगातार हो रही बारिश के चलते विकासखंड क्षेत्र में मैदानी से लेकर वनाचंल क्षेत्रों में पानी पानी हो गया है। लगातार बारिश से आवागमन प्रभावित हो रहा है। वहीं नदी नाले उफ ान पर है, खेतों में लबालब पानी भरा हुआ है साथ ही लगातार बारिश से क्षेत्र के बांध भी फू ट गए। वनांचल क्षेत्र में पहाड़ टूट कर सड़क पर गिर गये हैं जिससे रक्षा बंधन त्यौहार के दिन आवागमन और लोगों का जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित है। विकासखंड क्षेत्र के भोरमदेव कोडार मार्ग पर स्थित ग्राम पंचायत बिशनपुरा में सड़क के किनारे स्थित बांध 24 घंटे हो रही लगातार बारिश के चलते टूट गया है जिससे आसपास के खेतों में पानी भर गया है और लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है मौके पर प्रशासन की टीम ने पहुंचकर इस स्थिति को संभाला है पंप लगाकर तालाब के पानी को खाली किया जा रहा है।

भंडार बांध भी भरा लबालब : भीरा पंचायत के नगर से छीरपानी रोड में स्थित ग्राम भंडार बांध में भी पानी लबालब भर जाने से बांध फूटने का खतरा बढ़ गया है। बांध में पानी भर जाने से पानी खाली कराने की कवायद में प्रशासन के आला अधिकारी जुट गए। वेस्ट वेयर में अवैध में कब्जे में कॉलेज का दीवाल का निर्माण किया गया है इसके अलावा क्षेत्र में अवैध कब्जा के चलते खतरे की स्थिति निर्मित हो गई है। बांध के लबालब भरने से बांध के टूटने का खतरे की आशंका के मद्देनजर शासन प्रशासन के द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर कॉलेज के बॉउंड्रीवाल को तोड़कर हटाकर पानी निकालने का काम किया।

जैता टोला भी हुआ जलमग्न

लगातार 24 घंटे तक हुई बारिश से भोरमदेव रोड में स्थित ग्राम जैसा टोला में रात से ही गांव के दूसरी और पानी भरने लग गया था। पानी भरने से गांव के तालाब फूट गए और खेतों में पानी भर गया ज्यादा टोला के पास स्थित भोरमदेव पूरा रोड में दोनों कुलियों में पानी होने से सवेरे से ही भोरमदेव मार्ग बंद हो गया। वहीं घोघा घर बना भोरमदेव मार्ग में भी सड़क में 5 फीट के ऊपर पानी बह रही थी। जिससे कि सवेरे से पूरी तरह आवागमन प्रभावित हो गया इस तरह घोघा करवाना मेनिया छेत्र में दर्जनों से अधिक गांव ब्लॉक मुख्यालय से कट गए। लोगों का आवागमन पूरी तरीके से ठप हो गया।

दलदली घाट में गिरा पहाड़

लगातार दो दिनों के बारिश के चलते सवेरे 9 बजे दलदली घाट में पहाड़ गिर कर सड़क पर आ गया जिससे 5 ग्राम पंचायतों की 25 गांव के लोगों का आवागमन प्रभावित हो गया। रक्षाबंधन के त्यौहार के दिन सवेरे से पहाड़ सड़क पर गिर जाने से लोग त्यौहार के दिन लोगों का आना जाना प्रभावित हुआ। गौरतलब है कि तरेगांव से दलदली जाने वाले मार्ग में कोटनापानी और बंजारी घाट के बीच में सड़क किनारे पड़ने वाले पहाड़ आज सवेरे अचानक भरभरा कर गिर गया जिससे पहाड़ का पूरा मलबा सड़क में ही आ गया। सड़क में नाली के अभाव में पानी भी चलने लगा जिसके चलते दलदली से कवर्धा आ रही बस को वहीं से वापस करना पड़ा त्यौहार के दिन इस तरह मार्ग बाधित होने से लोगों को असुविधाएं हुई।

लगातार बारिश से शहर तरबतर, नदी नाले उफान पर

मुंगेली/नवप्रदेश। जाते-जाते सावन माह अंचल को तरबतर कर रहा है। लगातार तीन दिन की बारिश से नदी नाले उफ ान पर है। नदी के किनारे रहने वाले बस्तियों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। बारिश की झड़ी एवं दिन भर भद्रा रहने के चलते रक्षाबंधन पर्व फ ीका-फ ीका रहा। होटल व्यवसायी प्रभावित होते रहा। मंगलवार की शाम से अंचल में बारिश का सिलसिला शुरू हुआ। रात्रि में धुआंधार बारिश शुरू हुई, जो रात तक जारी रही। इस बारिश से पूरा अंचल तरबतर हो गया। आज दिन भर भी सावन की झड़ी लगी रही। पिछले दो दिनों से हो रही बारिश से पूरे क्षेत्र में अब पानी नजर आ रहा है। खेतों में भी पानी लबालब नजर आने लगा है। किसान खेत से पानी निकालने में जुटे हुए है। पिछले दो दिनों से हो रही बारिश से तापमान में गिरावट आई है। आगर नदी में बाढ़ के चलते पुराना पुल डूबने की कगार में है वही बड़ा बाजार से जिला चिकित्सालय रामगढ़ जाने वाला रपटा पाटोपाट चलने से आवागमन बंद है। ग्राम पुरान के किसान कृष्ण कुमार परिहार ने बताया कि पिछले एक दो दिनों से हो रही बारिश के चलते खेतों में अब पानी अधिक हो गया है जिसे निकाला जा रहा है। दिन भर झड़ी लगे रहने से एक ओर जहां सड़के सूनी रही। वहीं शाम होते-होते बारिश के चलते दुकाने भी जल्दी बंद हो गई। लगातार हो रही बारिश के चलते रक्षाबंधन का त्यौहार के अवसर पर की जाने वाली खरीददारी भी प्रभावित रही। हॉटल व्यवसायी रक्षाबंधन पर्व को ध्यान में रखकर बड़ी मात्रा में मीठा, जलेबी, नमकीन आदि तैयार कर रखे थे। दिन भर भद्रा रहने के चलते रक्षाबंधन का पर्व रात में 9 बजे एवं दूसरे दिन मनाने के चलते भी खरीदारी प्रभावित हुई। दूबर में दो आषाढ़ की तरह सुबह से दिन भर हो रही बारिश के चलते लोग घरों से ही नही निकले। दूर-दराज ग्रामीण क्षेत्रों से खरीददारी करने वाले भी नही आये। जिससे हॉटल का सामान बचत रह गया। शहर के कई क्षेत्रों में पानी निकासी नही होने के कारण जगह-जगह पानी भरा गया। जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी हुई।

बाढ़ में फंसे एक ही परिवार के 6 लोगों को प्रशासन ने किया रेस्क्यू

राजनांदगांव/नवप्रदेश। बीते 24 घंटे से जारी झमाझम बारिश ने पूरे अंचल को तरबतर कर दिया है। वहीं अत्यधिक बारिश के कारण बैराज के गेट खोल दिए गए हैं। स्थिति यह है कि पूरे क्षेत्र में बाढ़ की भयावह स्थिति निर्मित हो गई है। क्षेत्र में बहने वाली शिवनाथ व उसकी सहायक नदियां खतरे के निशान को पार कर गई। ऐसे परिस्थितियो को देखते हुए पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर द्वारा जिले के सभी थाना प्रभारियों को बाढ़ के

हालात से सभी तटीय गांव को सचेत करने एवं सरपंच कोटवार से लगातार संपर्क बनाकर बचाव कार्य करने निर्देशित किये है। 10 अगस्त को ग्राम रूदगांव में इस बाढ़ ने एक पूरे परिवार को अपने चपेट में ले लिया था। जिन्हें पुलिस प्रशासन व ग्रामवासियों के सामूहिक प्रयास से रेस्क्यू कर लिया गया। पूरा वाक्य ग्राम रूद्र गांव का है जहां बुधवार सुबह पुलिस को ग्राम पर सोनकर परिवार के 6 सदस्यों के खेत में फंसे होने की जानकारी पता चली। सूचना मिलते ही टीआई भरत बरेठ, तहसीलदार कोमल सिंह ध्रुव और उनकी टीम गांव पहुंची। हालात का जायजा लेने के बाद रेस्क्यू अभियान को प्रारंभ किया गया। ग्रामवासियों की मदद से पुरानी ट्यूब की नाव बनाकर चार सदस्य दल को लगभग 2 किलोमीटर दूर पानी में उतारा गया, इसकी अगुवाई टीआई भरत बरेठ, तहसीलदार श्री ध्रुव स्वयं कर रहे थे। लगभग 6 घंटे चले इस अभियान में चिंताराम सोनकर व उसके पूरे परिवार को सकुशल निकाल लिया गया, जिन्हें गांव में सामुदायिक भवन में शिफ्ट किया गया है।

छग में अब तक 762.9 मिमी बारिश

रायपुर। एक जून 2022 से अब तक राज्य में 762.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से आज 12 अगस्त तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1778.4 मिमी और सरगुजा में जिले में सबसे कम 302.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर में 415.8 मिमी, बलरामपुर में 369.3 मिमी, जशपुर में 414.7 मिमी, कोरिया में 440.8 मिमी, रायपुर में 580.3 मिमी, बलौदाबाजार में 728.0 मिमी, गरियाबंद में 843.4 मिमी, महासमुंद में 732.6 मिमी, धमतरी में 863.7 मिमी, बिलासपुर में 864.6 मिमी, मुंगेली में 866.8 मिमी, रायगढ़ में 669.0 मिमी, जांजगीर-चांपा में 855.1 मिमी कोरबा में 562.3 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 645.9 मिमी, दुर्ग में 723.5 मिमी, कबीरधाम में 786.8 मिमी, राजनांदगांव में 806.8 मिमी, बालोद में 901.5 मिमीवर्षा दर्ज किया गया।

स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव के रिश्तेदार की ट्रेन से गिरकर मौत, जांच में जुटी पुलिस

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव के रिश्तेदार और धौरपुर के राजा वीरभद्र सिंह उर्फ सचिन की ट्रेन से गिरने से मौत हो गई। वे गुरुवार की रात दुर्ग-अंबिकापुर एक्सप्रेस में रायपुर से अंबिकापुर जा रहे थे, तभी बिलासपुर के बेलगहना के पास यह घटना हुई है। वे लुंड्रा जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष और कांग्रेस के नेता थे। उन्हें कुछ माह विधायक बृहस्पत सिंह के काफिले पर हुए मामले में पुलिस ने गिरफ्तार भी किया था। फि लहाल, पुलिस उनकी मौत की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार अंबिकापुर के लुंड्रा विधानसभा क्षेत्र के धौरपुर में रहने वाले राजा वीरभद्र सिंह उर्फ सचिन गुरुवार को रायपुर में थे। रात में वे रायपुर से अंबिकापुर जाने के लिए दुर्ग-अंबिकापुर ट्रेन में सफ र कर रहे थे। वहां उनकी अदालत में पेशी

होनी थी। तभी देर रात बेलगहना के पास ट्रेन से गिरने से उनकी मौत हो गई। शुक्रवार दोपहर पुलिस को ट्रेन से गिरकर युवक के मौत की खबर मिली। पुलिस जब मौके पर पहुंची, तब उनकी पहचान नहीं हुई थी।

बेलगहना के जंगल में पड़ी थी लाश

शुक्रवार को जीआरपी को इस हादसे की खबर मिल गई थी लेकिन, तब तक ट्रेन से गिरने वाले युवक की पहचान नहीं हो पाई थी। घटना कोटा थाना क्षेत्र होने की वजह से जीआरपी ने कोटा थाने को सूचना दी थी। इस पर पुलिस कर्मी पटरी किनारे होते हुए शव की तलाश कर रहे थे, जिस जगह पर शव मिला है, वहां बाइक भी नहीं जा सकती। इसके चलते पुलिस वहां तक दोपहर में पहुंची। शव का फोटो लेकर वायरल करने के बाद उनकी पहचान बीरभद्र के रूप में हुई।

पेशी में शामिल होने जा रहे थे बीरभद्र सिंह : लुण्ड्रा जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष बीरभद्र सिंह उर्फ सचिन सिंह और उसके तीन साथियों पर विधायक बृहस्पत सिंह के काफिले पर हमला करने का आरोप है। अंबिकापुर के कोतवाली थाने में उनके खिलाफ केस दर्ज है, जिस पर पुलिस ने उन्हें पहले गिरफ्तार भी किया था। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को अंबिकापुर में इसी केस में उनकी पेशी थी, जिसमें शामिल होने के लिए बीरभद्र सिंह अंबिकापुर जा रहे थे। तभी यह हादसा हो गया।

ट्रेन में सामान था वीरभद्र नहीं थे

बताया जा रहा है कि उनके अंबिकापुर आने की खबर परिजनों को थी। शुक्रवार की सुबह उन्हें लेने के लिए लोग अंबिकापुर स्टेशन पहुंचे थे। जब वे ट्रेन से नहीं उतरे, तब उनकी तलाश की गई। उनका फोन भी नहीं लग रहा था। ट्रेन में उनका सामान मिला लेकिन, बीरभद्र सिंह नहीं मिले। इसके बाद उनकी तलाश तेज की गई। इसकी जानकारी रायपुर मे दी गई। यहां से बताया गया कि वे अंबिकापुर एक्सप्रेस से रवाना हुए थे। इसके बाद इस घटना की जानकारी पुलिस को दी गई।

हमर तिरंगा अभियान के तहत आज मंत्री अकबर कवर्धा में निकालेंगे तिरंगा यात्रा

■ बारिश हुई तो भी यात्रा में पूरे समय मौजूद रहेंगे मंत्री, तैयारियां पूरी

कवर्धा/नवप्रदेश। आजादी के 75 वीं वर्ष को पूरे देश में आजादी के अमृत महोत्सव के मनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के अह्वान पर राज्य में 11 अगस्त से 17 अगस्त तक एक सप्ताह के लिए हमर तिरंगा सप्ताह मनाया जाएगा। इसी परिपेक्ष्य में प्रदेश के वन, परिवहन, आवास एवं विधि विधाई कार्य मंत्री मोहम्मद अकबर के नेतृत्व में आज कवर्धा नगर में तिरंगा पदयात्रा निकाली जाएगी। इसमें समस्त कबीरधाम जिले के निवासी बढ़ चढ़ कर शामिल होंगे। तिरंगा पदयात्रा के तैयारियां मंत्री मोहम्मद अकबर के निर्देशन में की जा रही है। पदयात्रा के दौरान पूरे कवर्धा नगर को तिरंगामय करने की तैयारी है। बरसात के मौसम को देखते हुए विशेष रूप से तैयारी की जा रही है। 13 अगस्त को बरसात हो सकती है। अगर बारिश हुई तो भी उनके हौंसले पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मंत्री अकबर 10 अगस्त को कवर्धा में बैठक में ये घोषणा कर चुके हैं कि बरसात होने पर भी भी वे पूरी तिरंगा पदयात्रा में शामिल रहेंगे। उनकी इस घोषणा से उत्साह का संचार हो गया है। मंत्री पूरे समय तिरंगा पदयात्रा में शामिल रहेंगे तो बरसात से पदयात्रा बेअसर रहेगी।

लाटमेटा में मुरुम का अवैध उत्खनन लंबे समय से चल रहा यह अवैध कारोबार

अब तक सैकड़ों ट्रिप माजदा मुरुम खपाई जा चुकी है, अवैध मुरुम से हो रहा रैम का निर्माण

■ पूर्व में पदस्थ एक बड़े प्रशासनिक अधिकारी के इशारे पर हो रहा काम, जिम्मेदार बच रहे कार्यवाही से

राजनांदगांव/नवप्रदेश। कुमर्दा के निकट बसे गांव लाटमेटा में बीते कई दिनों से प्रशासन की आंखों मे धूल झोंककर मुरुम का अवैध उत्खनन किया जा रहा है। उक्त कार्य एक बड़े प्रशासनिक अधिकारी के इशारे पर हो रहा है। जिसके कारण तहसीलदार और एसडीएम भी इस ओर झांकने भी नहीं जा रहे। उपरोक्त मामले की शिकायत एक ज्ञापन के माध्यम से हिन्दू युवा मंच के प्रतिनिधि मंडल ने कलेक्टर डोमन सिंह से की है। जानकारों के मुताबिक जहां पर मुरुम की अवैध खुदाई चल रही है समीप ही एक नई राईसमिल खुली है। बारिश के कारण वहां दल-दल हो जाने और रास्ता गीला होने की वजह से भारी वाहनों की आवाजाही में खासी दिक्कतें हो रही है। भारी वाहनों को मिल के अंदर आने और जाने में किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो इसके लिए अवैध रूप से मुरुम खोदी जा रही है और राईस मिल वाले रास्ते पर मजबूत रैम बनाने पाटी जा रही है। बताया जा रहा है कि अब तक सैकड़ों ट्रिप माजदा मुरुम रास्ता बनाने के नाम पर डंप की जा चुकी है।

अफसर का है राइसमिल!

उक्त राइसमिल राजनांदगांव में पदस्थ किसी बहुत बड़े प्रशासनिक अधिकारी का है जिसने कागज में दिखाने अपने रिश्तेदार के नाम पर खुलवाई है। जिसके कारण ही संबंधित विभाग छापेमारी की कार्यवाही करने से बच रहा। वहीं जहां से मुरुम खोदी जा रही है वह भूमि किसी आदिवासी किसान की है और किसान को विश्वास में लेकर, उसे गुमराह करते हुए खेत बनाने के नाम पर मुरुम की अवैध रूप से खुदाई की जा रही है और राईसमिल वाले रास्ते पर खपाई जा रही है। यहां तक तो कोई परेशानी नहीं थी, लेकिन मुरुम माफि या ने खनन करते करते ग्रामीणों के लिए आने जाने वाले मार्ग को ही खोदना शुरू कर दिया है। रास्ते के किनारे मुरुम का खनन इतनी गहराई में किया जा रहा है कि, कोई भूले से भी अगर उस गड्ढे में गिरा तो फि र उसको गंभीर चोंटे आ सकती है यहां तक उसकी जान भी जा सकती है।

गांवों का टूट सकता है संपर्क

इतना ही नहीं भारी बारिश के कारण आने वाले समय मे उक्त मार्ग का कटाव होना भी शुरू हो जाएगा और मार्ग संकरा हो जाने के कारण रास्ता बह भी सकता है और ग्रामीणों का संपर्क गाँव से टूट सकता है। मुरुम माफिया आज तो मुरुम खोदकर चले जायेंगे, लेकिन बाद में परेशानी तो गांव वालों को ही उठानी पड़ेगी। जिसको सोच कर ही अब ग्रामीणों के बीच इसका विरोध करने की आग सुलग रही है। ऐसा न हो कि, मुरुम का यह अवैध और बेतरतीब खनन आने वाले दिनों में किसी बड़े आंदोलन को आमंत्रित कर दें।

भाजपा के पूर्व महामंत्री के बयान पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने किया पलटवार, कहा-

विधायक अमितेश के कार्यकाल में क्षेत्र का हुआ चहूमुंखी विकास : भावसिंह

गरियाबंद/नवप्रदेश। भाजपा के पूर्व महामंत्री मुरलीधर सिन्हा के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के प्रदेश प्रतिनिधि राजा यशपेन्द्र शाह एवं भाव सिंह साहू जिला अध्यक्ष गरियाबंद ने कहा है कि प्रथम पंचायत मंत्री एवं विधायक अमितेश शुक्ल को भाजपा के नेताओं से सर्टिफि केट लेने की जरूरत नहीं है। अमितेश शुक्ल क्षेत्र की जनता के चहुमुंखी विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। विधानसभा में जाकर बैठने मात्र से कुछ नहीं होता वहां आपकी भूमिका क्या है वह महत्वपूर्ण होता है। अमितेश शुक्ल की भूमिका भाजपा द्वारा लाये गए अविश्वास प्रस्ताव और क्षेत्र की समस्याओं के संबंध में विधानसभा में लगाये गए प्रश्नों को देखकर समझ आता है। सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष के लोग इस बात से भलीभांति अवगत है भाजपा के लोग पहले विधानसभा से डिटेल निकाले तब बात करें। फिंगेश्वर विकासखंड अन्तर्गत कोमा सब स्टेशन की स्थापना अमितेश शुक्ल के कार्यकाल में हुआ। गरियाबंद

जिले के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल जतमई और घटारानी मार्ग का निर्माण भी अमितेश शुक्ल के कार्यकाल के दौरान ही पूर्ण हुआ है। अमितेश शुक्ल का परिवार सदैव राजिम विधानसभा क्षेत्र की जनता की हितैशी रही है। भाजपा नेता मुरलीधर सिन्हा द्वारा यह कहा जाना की शुक्ल परिवार उच्च शिक्षा के घोर विरोधी रहे है, हास्यापद है। आज छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय स्व.पं. रविशंकर शुक्ल के नाम से संचालित है, स्व.पं. रविशंकर शुक्ल जी की परिकल्पना से ही छत्तीसगढ़ में गुरूकल के तर्ज पर विद्या मंदिरों की स्थापना हुई थी, अमितेश शुक्ल के माध्यम से राजीव लोचन महाविद्यालय राजिम में कितनी-कितनी, नई-नई फेकेल्टी खुलवाई वहां जाकर पता करें, अमितेश शुक्ल के कार्यकाल में ही राजिम क्षेत्र के 04 बड़े बांध पीपरछेड़ी, गनियारी, कनेसर एवं पैरी घुम्मर का निर्माण केवल एन.ओ.सी. के कारण रूका हुआ था जिसे अमितेश शुक्ल ने खुद व्यक्तिगत फ ॉलो करके केन्द्र सरकार को भिजवाया भाजपा के 15 साल के शासन काल में महिलाओं के प्रसव हेतु ऑपरेशन की सुविधा तक नहीं थी आज अमितेश शुक्ल के प्रयास से जिला अस्पताल गरियाबंद में सीजर ऑपरेशन और सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध है, एक भी वेंटिलेर की सुविधा नहीं थी जबकि आज जिला अस्पताल में 06 वेटिलेटर उपलब्ध है, किडनी पीड़ितों के लिए डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध है, ब्लड बैंक की स्थापना की जा चुकी है ये सभी काम अमितेश शुक्ल के अथक प्रयास से ही संभव हुआ है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई और सभी प्रकार के मूलभूत सुविधाओं का राजिम विधानसभा क्षेत्र में कितना विकास हुआ है।